दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 267 | ग्वालियर, शनिवार 31 अक्टूबर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों में एंटीबॉडी मजबूत, इतने महीनों तक रहता है असर

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के लक्षणों वाले ज्यादातर मरीजों के इस रोग से उबरने के साथ उनके शरीर में मजबूत एंटीबॉडी के रूप में एक रक्षा कवच बन जाता है, जो कम से कम 5 महीने तक कायम रहता है. इस बात की जानकारी एक नए अध्ययन में दी गई है. इस अध्ययन के मुताबिक शरीर की इस प्रतिरोधक प्रतिक्रिया से कोरोना वायरस से दोबारा संक्रमित होने का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है. जर्नल ऑफ साइंस में छपे एक रिसर्च पेपर के मुताबिक एंटीबॉडी की प्रतिक्रिया का सबंध शरीर द्वारा सार्स-सीओवी-2 वायरस को निष्प्रभावी करने से है, जिससे संक्रमण होता है. न्यूज एजेंटी पीटीआई के मुताबिक अमेरिका स्थित माउंट सिनाई अस्पताल में कार्यरत और रिसर्च पेपर के लेखक फ्लोरियन क्रेम्मर ने कहा, कुछ खबरें आई थीं कि वायरस से संक्रमण की प्रतिक्रिया में बनने वाली एंटीबॉडी जल्द समाप्त हो जाती है, लेकिन हमने अपने अध्ययन में इसके ठीक उलट पाया. उन्होंने कहा, हमने पाया कि हल्के या मध्यम दर्जे के लक्षण वाले 90 प्रतिशत कोविड-19 मरीजों में बनी एंटीबॉडी महीनों तक वायरस को निष्प्रभावी रखने में मजबूती से काम करती है. इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए वैज्ञानिकों ने संक्रमण से ठीक हुए लोगों की इंजाइम लिंक्ड इम्युनोसोब्रेंट एस्से (एलिसा) नामक एंटीबॉडी जांच की गई, जिससे इस बात का पता लगाया जा सके कि कोशिका पर वायरस का आक्रमण होने पर बनने वाले इस प्रोटीन का स्तर क्या है. माउंट सिनाई अस्पताल के रिसर्चर्स ने 30,082 नमूनों की जांच करने के बाद पाया कि अधिकतर लोगों में एंटीबॉडी मध्यम से उच्च स्तर पर मौजूद है, जो वायरस को निष्प्रभावी कर सकते हैं. वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि पहली जांच के मुकाबले दूसरी जांच के दौरान एंटीबॉडी के स्तर में हल्की सी कमी आई और तीसरी तथा आखिरी जांच में इसमें और कमी आई. इस टेस्टिंग के आधार पर रिसर्चर्स ने कहा कि अनुसंधान के आधार पर कहा जा जा सकता है कि एंटीबॉडी कम से कम पांच महीने तक ठीक हो चुके मरीज के बॉडी में बनी रहती है.

फ्रांस के खिलाफ प्रदर्शन: साध्वी प्रज्ञा भड़कीं कहा- भोपाल में गद्दारों की कमी नहीं

भोपाल। फ्रांस में हाल ही में हुई घटना पर राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों की टिप्पणी के बाद दुनिया भर में प्रदर्शन हो रहे हैं. मैक्रों की तरफ से की गई टिप्पणी के खिलाफ भोपाल में गुरुवार को सैंकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया. अक्सर अपने बयानों के चलते सुर्खियों में रहने वाली बीजेपी सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर इस प्रदर्शन को लेकर भड़क गई. साध्वी ने इस तरह की गतिविधियों को फैलाने वाले लोगों को विधर्मी करार दिया. सांसद साध्वी प्रज्ञा ने कहा, भोपाल में ऐसे गद्दारों की कमी नहीं है, ये लोग देश को बर्बाद करने पर तुले हुए हैं. देश में ऐसे लोगों के खिलाफ नियम बनाए जाने चाहिए और ऐसे लोगों पर लगाम लगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि आतंकी गतिविधियों को फैलाने वाले लोग विधर्मी हैं, फ्रांस ही नहीं पूरे विश्व में जहां भी ऐसे लोग हैं वहां के देश लोगों की रक्षा के लिए कानून बनाएंगे. उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि, चीन में ये लोग क्यों उचक नहीं पाते हैं? चीन जो नियम बनाता है उस पर इन लोगों को चलना पड़ता है. भारत को भी ऐसे नियम बनाने चाहिए.

दिल्ली पर कोरोना और प्रदूषण की दोहरी मार, 29,378 एक्टिव केस

नई दिल्ली। दिल्ली में रहने वाले लोगों पर कोरोना और प्रदूषण की दोहरी मार पड़ी है. एक रोजाना रिकॉर्ड तोड़ रहे कोरोना के आंकड़े डरा रहे हैं तो दूसरी तरफ हवा की गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है. शुक्रवार को इस सीजन में हवा की गुणवत्ता सबसे खराब रही. यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार चला गया. इस बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड-19 के मामले बढ़ने का कारण त्योहार के दौरान भीड़, खराब हवा और सांस संबंधी बीमारियों को बताया है. मंत्रालय ने बताया कि दिल्ली में पिछले चार हफ्ते में 29,378 नए मामले सामने आए जो करीब 46 फीसदी नए मामले हैं और पिछले 4 हफ्ते में सक्रिय मामलों की संख्या में करीब 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने दिल्ली, पश्चिम बंगाल और केरल में स्थिति की समीक्ष बैठक की.

भागलपुर जेल लाए जाने से नाराज पूर्व सांसद आनंद मोहन ने अन्न छोड़ा

पत्नी लवली आनंद सहरसा हैं आरजेडी की उम्मीदवार

भागलपुर। भागलपुर विशेष केंद्रीय कारा में बंद पूर्व सांसद व बाहुबली नेता आनंद आनंद मोहन ने अन्न छोड़ दिया है। सहरसा जेल से भागलपुर जेल लाये जाने से नाराज आनंद मोहन ने जेल आईजी को पत्र लिख कर कहा है कि उसे राजनीतिक द्वेष के कारण उन्हें यहां भेजा गया है। पूर्व सांसद ने सरकार पर भी गंभीर आरोप लगाया है। पत्र में उन्होंने कहा है कि जबतक उन्हें वापस सहरसा नहीं भेजा जाता, तब तक वे अन्न ग्रहण नहीं करेंगे। वे सिर्फ नींबू-पानी ले रहे हैं। जेल प्रशासन ने जेल आईजी और भागलपुर डीएम को आनंद मोहन के अन्न छोड़ने की जानकारी दी है।

पत्नी चुनाव लड़ रही, इसलिए उन्हें यहां लाया गया- आईएएस जी कृष्णैय्या हत्याकांड मामले में जेल में बंद आनंद मोहन की पत्नी पूर्व सांसद लवली आनंद को राजद ने इस बार सहरसा से उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में सहरसा जेल में रहते हुए आनंद मोहन द्वारा चुनाव में गड़बड़ी

फैलाने की आशंका को देखते हुए उन्हें 21 अक्टूबर की सुबह भागलपुर स्थित विशेष केंद्रीय कारा लाया गया था। यहां उन्हें सबसे सुरक्षित तीसरे खंड में रखा गया है।

प्रशासनिक दृष्टिकोण से दो महीने के लिए लाया गया- पूर्व सांसद आनंद मोहन को चुनाव को देखते हुए प्रशासनिक दृष्टिकोण से जेल आईजी के आदेश पर सहरसा जेल से भागलपुर जेल शिफ्ट किया गया था। भागलपुर जेल लाये जाने के बाद आनंद मोहन ने शारीरिक परेशानी और बीमारी की भी बात कही है। कमर में दर्द की शिकायत भी वे कर चुके हैं। जेल अस्पताल के डॉक्टर उनपर नजर रख रहे हैं। विशेष केंद्रीय कारा लाये जाने के बाद से ही आनंद मोहन ने अन्न ग्रहण नहीं किया है। वे सिर्फ नींबू, पानी और चीनी ले रहे हैं। उन्होंने जेल आईजी को पत्र लिखकर सहरसा से भागलपुर लाये जाने को लेकर नाराजगी जताई है। उनके द्वारा अन्न ग्रहण नहीं करने की जानकारी जेल आईजी और डीएम को दे दी गयी है।

1 नवंबर से रोजाना 15 हजार श्रद्धालु कर सकते हैं माता वैष्णो देवी के दर्शन

14 दिन होम क्वारंटाइन की शर्त भी खत्म

जम्मू। कोरोना वायरस संक्रमण के केसों में कमी के बाद वैष्णो देवी में प्रति दिन दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि की गई है। जम्मू-कश्मीर प्रशासन की ओर से कहा गया है कि 1 नवंबर से प्रतिदिन 15 हजार श्रद्धालुओं को वैष्णो देवी के दरबार में जाने की इजाजत होगी। अभी प्रतिदिन अधिकतम 7 हजार लोग त्रिकुटा पर्वत पर पवित्र गुफा में दर्शन कर सकते हैं। इसके साथ ही 14 दिन के होम क्वारंटाइन की शर्त भी हटा ली गई है।

यात्रियों के लिए कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के अन्य उपाय पहले की तरह लागू रहेंगे। मास्क पहनना

और सोशल डिस्टेंशिंग जैसे नियमों का श्रद्धालुओं को पालन करना होगा। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए कटड़ा से भवन तक खास इंतजाम किए हैं। 15 अक्टूबर से अनलॉक-5 में धार्मिक समारोह को लेकर कई तरह की गतिविधियों में छूट के साथ वैष्णोदेवी में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सीमा 5 हजार से बढ़ाकर 7 हजार कर दी गई थी। मार्च में लॉकडाउन की शुरुआत के बाद से ही वैष्णो देवी में श्रद्धालुओं के जाने पर रोक लग गई थी। 16 अगस्त से यात्रा फिर शुरू हुई है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में हर दिन लोग माता के दरबार में पहुंचते हैं।

दिल्ली हिंसा : कोर्ट ने कहा- दंगों ने देश विभाजन की याद को ताजा कर दिया

नई दिल्ली। सीएए और एनआरसी को लेकर फरवरी महीने में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़के साम्प्रदायिक दंगों के एक मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि इन दंगों ने देश के विभाजन के समय हुए नरसंहार की याद को ताजा कर दिया। अदालत ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। कड़कड़डूमा स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव की अदालत ने एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करते हुए कहा कि दंगे एक आग की तरह होते हैं, जोकि अगर किसी जंगल में लग जाए तो वह तेजी से फैलती है। बेशक इस बार दिल्ली के एक हिस्से में यह दंगे हुए, लेकिन भारी जान-माल का नुकसान हुआ। अगर इस बार इन दंगों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो निश्चित तौर पर दंगों की आग दूसरे क्षेत्रों को अपनी चपेट

में लेगी और ना जाने और कितने बेकसूर इनकी चपेट में आएंगे। इस मामले में आरोपी ने अपनी पत्नी की बीमारी का हवाला देते हुए अग्रिम जमानत की मांग की थी, लेकिन अदालत ने कहा कि यह अपराध इतना भयावह है कि इसके सामने सभी दलीलें बौनी साबित होती हैं। जिस समय दंगे फैलाए जा रहे थे तब लोगों को अपने परिवार या अन्य रिश्तों की परवाह क्यों नहीं थी। अब जब खुद पर कानूनी शिकंजा कसने की बारी आई तो परिवार, पत्नी और ना जाने किन-किन रिश्तों की याद आरोपियों का आ रही है। अदालत ने यह भी कहा कि उन लोगों के दर्द को समझने का प्रयास भी करना चाहिए, जिन्होंने कोई कसूर ना होते हुए भी अपने परिवार के सदस्यों या फिर दुकान, मकान या लूट जैसी मार का सहा है। यह पूरा घटनाक्रम उस समय को याद दिलाता है जब देश का विभाजन हुआ था और दो समुदायों की तरफ से एक-दूसरे को भारी से भारी नुकसान पहुंचाने का जुनून था। अदालत ने कहा कि बेशक उस समय को प्रत्यक्ष देखने वाले लोग बहुत कम होंगे, लेकिन उस दर्द को अब तक महसूस किया जा सकता है।

बिहार चुनाव: विपक्ष पर जमकर बरसे राजनाथ सिंह

तीर चलाइये, लालटेन बुझाइये व कमल खिलाइये

भागलपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि देश के विरोधी दलों के नेता पाकिस्तान को ताकत देने का काम कर रहे हैं। वे देश की सुरक्षा से जुड़े काम पर सवाल उठाते हैं। जब हमने पुलवामा हमले में पाकिस्तान के हाथ होने की बात कही थी तो कांग्रेस सवाल उठा रही थी। अब पाकिस्तान के नेशनल असेंबली में वहां के मंत्री ने बयान देकर वास्तविकता को सामने ला दिया है तो कांग्रेसियों व अन्य विपक्षी दलों की बोलती बंद है। भागलपुर के पीरपैंती में शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी ललन पासवान के पक्ष में चुनावी सभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब

पुलवामा में आतंकियों ने 40 जवानों की हत्या कर दी थी तो कांग्रेस के लोग हमारी नीयत पर सवाल उठा रहे थे। उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे तो अटल बिहारी वाजपेयी ने संसद में उनकी सराहना की थी। लेकिन आज कांग्रेस का एक ही काम रह गया है सरकार की उपलब्धियों पर संदेह और सवाल खड़े करना। सीमा सुरक्षा के नाम पर दलगत भावना से ऊपर उठकर काम करना चाहिए। भारत-चीन विवाद पर विरोधी कहते हैं कि चीन ने भारत की जमीन हड़प ली है। उन्होंने कहा कि सेना की उपलब्धियों का अगर हम खुलासा कर दें तो आप सभी खुशी से उछल पड़ेंगे। गलवान में बिहार के 20 जवानों ने शहादत देकर देश की रक्षा की। बिहार बहादुरों की धरती है।

एम्स निदेशक ने चेताया

तेज हो गई है कोरोना की दूसरी लहर, जरूरी हो तभी बाहर निकलें

> प्रदूषण और कोरोना की दोहरी चुनौती को लेकर एम्स के निदेशक ने कहा कि जब तक बेहद जरूरी न हो, बाहर न जाएं. जाना जरूरी भी हो तो मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए धूप निकलने के बाद जाएं.

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस से संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं. इसे देखते हुए कोरोना की

तीसरी लहर की चर्चा तेज हो गई है. इस बारे में एम्स के निदेशक डॉक्टर गुलेरिया साफ इनकार करते हैं. आजतक से बातचीत के दौरान तीसरी लहर से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि अभी दूसरी लहर ही है जो फिर से तेज हो गई है. उन्होंने इसके पीछे सावधानी बरतने में ढिलाई का भी उल्लेख किया और कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन ठीक से नहीं किया गया. मास्क लगाने में भी ढिलाई बरती गई. डॉक्टर गुलेरिया ने इसके लिए मौसम और प्रदूषण को भी जिम्मेदार बताते हुए कहा कि प्रदूषण के कारण वायरस ज्यादा देर तक हवा में रहता है. प्रदूषण और वायरस, दोनों ही फेफड़े को प्रभावित करते हैं. उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस अभी खत्म नहीं हुआ. यूरोप और अन्य देशों का उदाहरण देते हुए डॉक्टर गुलेरिया ने कहा कि मास्क जरूर लगाएं. जरूरी काम न हो तो बाहर न जाएं. डॉक्टर गुलेरिया ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि हम सावधानी नहीं बरतेंगे तो और भी ज्यादा मामले सामने आएंगे.

आलू-प्याज की महंगाई पर लगेगी लगाम

मोदी सरकार दिवाली से पहले गिराएगी दाम

नई दिल्ली। महंगाई की पिच पर वैसे तो दालें, तेल और हरी सब्जियां भी उछल रही हैं पर आम आदमी के किचन के बजट को सबसे ज्यादा बिगाड़ रहे हैं आलू, प्याज और टमाटर के दाम। आलू और प्याज का विकेट गिराने के लिए मोदी सरकार ने भी अब काफी कड़ी फिल्डिंग सजाई है। प्याज के भंडारण की सीमा निर्धारित करने से लेकर उसके निर्यात तक पर प्रतिबंध लगाया चुका है। अब मोदी सरकार आलू की घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और कीमतों को काबू में लाने के लिए भूटान से 30,000 टन आलू का आयात करने जा रही है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी देते हुए आज कहा कि 7,000 टन प्याज का आयात किया जा चुका है, दिवाली से पहले इसकी 25,000 टन खेप और आने की संभावना है।

बता दें सरकार ने प्याज बीजों के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से लगा दी है। घरेलू बाजार में प्याज की कीमतों में उछाल के मद्देनजर सरकार ने यह कदम उठाया है। अभी इसके निर्यात पर नियंत्रण लगे हुए थे और बिना लासेंसे लिए इसका निर्यात नहीं किया जा सकता था। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि प्याज बीज के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जा रही है। भारी बारिश की वजह से प्याज की खरीफ की खड़ी फसल को काफी नुकसान हुआ है। इससे पिछले कुछ सप्ताह के दौरान प्याज का भाव 70 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है।

कश्मीर में बीजेपी नेताओं की हत्या के पीछे लश्कर का हाथ

कुलगाम। जम्मू कश्मीर में बीजेपी से जुड़े तीन नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या ने प्रदेश में सियासी भूचाल ला दिया है। इस बीच, कुलगाम के आईजी विजय कुमार ने शुक्रवार को बताया कि तीनों बीजेपी नेताओं की हत्या में आतंकी संगठन लश्क-ए-तैयबा और कुछ स्थानीय आतंकियों की संलिप्तता सामने आई है। हत्या केस की जांच करने के लिए घटना स्थल और अन्य जगहों का दौरा करने के बाद विजय कुमार ने कहा कि ऐसा लगता है कि हत्या पाकिस्तान प्रयोजित है। घटनास्थल का मुआयना करने और साक्ष्यों को देखने के बाद ऐसा लगता है कि आतंकी स्थानीय व्यक्ति अल्ताफ की गाड़ी में बैठकर आए। वह गाड़ी में आगे बैठा हुआ था और तीन अन्य लोग बैठे हुए थे, जिन्होंने अंधाधुंध फायरिंग की।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक, 404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478, 7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर...

महिला कांग्रेस सचिव राठौड़ का किया गर्मजोशी से स्वागत

नारायणलाल सेणचा

पाली। रोहट सदर बाजार स्थित महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव डिम्पल कंवर राठौड़ का प्रदेश कांग्रेस एसबीसी महासचिव धन्नाराम लोहार के नेतृत्व में युवा कांग्रेसजनों व ग्रामीणों ने पुष्पहार देकर स्वागत किया। इस दौरान राठौड़ ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर समस्याएं सुनी तथा इस दौरान राठौड़ ने उपस्थित युवाओं से रूबरू होकर पार्टी को मजबूती प्रदान करने व पार्टी के लिए निस्वार्थ भाव से सेवा देने की अपील की।राठौड़ ने ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है, आमजन को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे, राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार के राज में गांवों का चौमुखी विकास करवाने के लिए हम सबका प्रयास रहेगा। इस दौरान भवानीसिंह राठौड़, अभाव अभियोग निवर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष तरुण रावल, अशोक बोस, कांग्रेस के युवा नेता गोविंद बोस, विराट सामरिया, कालूराम खटाणा, राजू सैन, मिथुन इत्यादि इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खेरागढ़ विकास खण्ड अधिकारी ने शौचालय का भुगतान रोकने के दिये आदेश

पुष्पांजली टुडे न्यूज़
जिला रिपोर्टर राहुल कुमार

आगरा। तहसील खेरागढ़ के क्षेत्र लखनपुरा ग्राम में निर्माणधींन समुदायक शौचलय में घटिया सामग्री लगा कर कार्य किया गया था जिसे पूर्व में उपजिलाधिकारी ने कार्य रोकने निर्देश दिये थे जिसके बाद भी ग्राम पंचायत अधिकारी ने कार्य पूरा करा दिया ग्राम लखनपुरा निवासी दीपक पुत्र धर्मवीर सिंह की और से सार्वजनिक शौचालय में घटिया सामग्री के साथ मनको के अनुरूप निर्माण कार्य न होने की शिकायत डिप्टी स्रूी केशव प्रसाद मौर्य व अधिकारियों से शिकायत की थी जब अधिकारी ने निरीक्षक किया तो शिकायत सही पाई गई थी अधिकारीयो ने निर्माण कार्य को रोकने के आदेश दिये थे परंतु ग्राम पंचायत अधिकारी व ठेकेदार ने कार्य को पूरा कर दिया अब खण्ड़ विकास अधिकारी अंकुर कौशिक ने सार्वजनिक शौचालय का भुगतान रोकने के आदेश दिये हैं और निर्माण कार्य मनको के अनुरूप सुधरने के लिए सात दिन का समय दिया है सर जी एप्लिकेशन वाली फ़ोटो जरूर लगानी है।

गुमडीपुण्ड तालुक के सदस्यों से मिलकर समस्याओं की जानकारी हासिल की

नारायणलाल सैणचा

तमीलनाडु। आज भारतीय उधीयोग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ऐवम तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द गुमडीपुण्डी तालुक के सदस्यों से मिलने के लिए सबसे तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के तिरुवलुर ईस्ट जिला अध्यक्ष महावीरचन्द कटारिया जैन से उनके निवास पर मुलाकात कर क्षेत्र के गिरवी ऐवम ज्वेलर्स व्यापारियों कि परेशानीयो कि सघंठन को मजबूत करने के बारे में चर्चा की उनसे चर्चा करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द ऐलाऊर के सदस्यों से मिलकर उनकी समस्याओं वह सघंठन को मजबूत करने के बारे मे चर्चा कि उनसे चर्चा करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष आरुमबाक्म क्षेत्र के सदस्यों कि समस्याओं कि जानकारी हासिल की इस कार्यक्रम में बाबुलाल भायल सुखलाल पुराराम सोलंकी सीरवी रमेश भायल वह अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

निर्वाचक अधिकार के प्रयोग में नकद या परितोष देने पर भारतीय दंड संहिता की धारा 171 ग के अंतर्गत होगी कार्यवाही

मुरैना। कोई व्यक्ति निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी व्यक्ति को उसके मतदान करने के अधिकार का प्रयोग करने के लिए उत्प्रेरित करने के उद्देश्य से नकद या वस्तु रूप में कोई परितोष देता है या लेता है, तो वह एक वर्ष तक के कारावास या जुर्माने या दोनों से दण्डनीय होगा। इसके अतिरिक्त भारतीय दंड संहिता की धारा 171 ग के अनुसार जो कोई व्यक्ति किसी अभ्यर्थी या निर्वाचक या किसी अन्य व्यक्ति को किसी प्रकार की चोट लगाने की धमकी देता है, वह एक वर्ष तक के कारावास या जुर्माने या दोनों से दण्डनीय है। उड़न दस्ते, रिश्वत देने वालों और लेने वालों दोनों के विरूद्ध मामले दर्ज करने के लिए और ऐसे लोगों के विरूद्ध कार्यवाही करने के लिए गठित किए गए हैं, जो निर्वाचकों को डराने और धमकाने में लिप्त है। सभी नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे कोई रिश्वत लेने से परहेज करें और यदि कोई व्यक्ति रिश्वत की पेशकश करता है या उसे रिश्वत और निर्वाचकों को डराने, धमकाने के मामलों की जानकारी है तो उन्हें शिकायत प्राप्त करने के प्रकोष्ठ के टोल फ्री नम्बर 1950 पर सूचित करे।

दर्दनाक हादसे में 5 वर्षीय मासूम के साथ पति पत्नी की मौत, 2 गंभीर घायलो

रिपोर्टर-ठाकुरदास लोधी

पिछोर। पिछोर थाना अंतर्गत ग्राम गजोरा गाँव के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा ने 1 मासूम और उसके माता पिता की जान ले ली। हादसा का कारण तेज रफ्तार कार की बजह से हुआ जो मोटरसाइकिल से टकरा गई जिससे एक ही परिवार के तीन लोगों की घटनास्थल पर मौत हो गयी जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए जिन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। हादसा इतना भयानक था कि मृतकों के शव क्षत-विक्षत हो गए। बताया जा रहा है कि मृतक अपने गांव अच्छरोनी से पिछोर की अपने पति और बच्चों के साथ बाइक से कही जा रही थी। तभी पिछोर रोड गजौरा गाँव के पास रोड पर एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इससे बाइक पर सवार मासूम और पति-पत्नी सड़क पर गिर गये जिससे टीनोम की मौत हो गई।वहीं आसपास के लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी तो पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों व मृतकों को अस्पताल भिजवाया जिसके बाद घायलो को शिवपुरी रेफर किया गया है घायलों नाम शिवम केवट,प्रियंका केवट बताए गए है इन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं मृतकों की पहचान जयंती केवट 28 साल बालकिशन केवट 30 साल बिल्लू केवट उम्र 5 साल जो अच्छरोनी के बताए जा रहे हैं जिन्होने मौके पर दम तोड़ दिया।

मतदान एवं मतगणना की जानकारी समय पर आयोग को भेजने के लिये विधानसभा क्षेत्रवार दल गठित

ग्वालियर। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदान के पूर्व, मतदान दिवस एवं मतदान के अगले दिन की रिपोर्ट स्क्रूटनी (17-ए की संवीक्षा) रिपोर्ट, मतगणना (टेबूलेशन) एवं परिणाम से संबंधित रिपोर्ट भारत निर्वाचन आयोग एवं राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को निर्धारित समय पर उपलब्ध कराने के लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने विधानसभा क्षेत्रवार दल गठित किए हैं। स्मार्ट सिटी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती जयति सिंह को इस कार्य के लिये जिला स्तरीय नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में विधानसभा क्षेत्रवार गठित दल इस कार्य को अंजाम देंगे। ज्ञात हो जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 15-ग्वालियर, 16-ग्वालियर पूर्व एवं 19-डबरा (अजा) में 3 नवम्बर को मतदान होगा।

डीएम, एसएसपी ने जिला फुटबाल लीग का किया शुभारंभ

एटा। शहर के राजकीय इण्टर कॉलेज मैंदान में आयोजित चार दिवसीय जिला फुटबाल लीग 2020 का डीएम सुखलाल भारती, एसएसपी सुनील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से शुभारंभ किया। डीएम, एसएसपी ने इस दौरान प्रतिभाग करने वाली टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला अफजाही किया। इसके साथ ही उन्होंने सभी टीमों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल हमारे शरीर के लिए काफी लाभदायक है। एआरएम संजीव कुमार ने बताया कि राजकीय इण्टर कालेज मैंदान में 30 अक्टूबर से 02 नवम्बर तक चार दिवसीय जिला फुटबाल लीग का आयोजन किया जा रहा है। फुटबाल लीग में कुल पांच टीमें हिस्सा लेंगी। इस दौरान आगन्तुक अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर क्रीड़ाधिकारी सिराजुद्दीन, राजीव यादव बौबी, रजनीश यादव, रामनिवास यादव आदि मौजूद रहे।

महिला सुरक्षा सहायता संगठन का जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया

पाली. नरेश कुमार सीरवी. राजस्थान के पाली जिले महिला सुरक्षा सहायता संगठन का जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया.महिला सुरक्षा सहायता संगठन के अध्यक्ष कुलदीप पवार द्वारा बताया गया कि देश की नारी शक्ति पर हो रहे अत्याचार एवं शोषण के विरुद्ध नारी शक्ति की रक्षा करने के लिए महिला सुरक्षा सहायता संगठन देश की नारी शक्ति की रक्षा के लिए संगठन कार्य करेगा. पाली केसरी गार्डन में जिला स्तरीय सम्मेलन के तहत जिले के सभी नवनियुक्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र पहचान पत्र एवं प्रमाण पत्र दिए गए. इस मौके पर पाली यातायात प्रभारी श्रीमती निरमा विश्नोई बांगड़ हॉस्पिटल चौकी प्रभारी धनराज चौहान केंद्रीय राज्य कर्मचारी बीमा निगम पाली के कैशियर जसराज सिंह. कंकू विजय कॉलेज के प्राचार्य गोविंद प्रसाद भगवती हैंडलूम के संचालन दिलीप भेरवानी महिला सुरक्षा सहायता संगठन पाली जिला अध्यक्ष गोविंद सिंह राजपुरोहित महिला सुरक्षा सहायता संगठन . पाली महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष मनीषा राखेचा की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया. नारी शक्ति पर हो रहे अत्याचार को लेकर पाली यातायात प्रभारी श्रीमती निरमा विश्नोई ने बताया कि नारी शक्ति की रक्षा के लिए महिला सुरक्षा सहायता संगठन देश की वीर नौजवान बहन बेटियों की संगठन के माध्यम से रक्षा की जाएगी. जिसमें महिला सुरक्षा सहायता संगठन अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि जिले के संपूर्ण पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र पहचान पत्र प्रदान किए गए. नवीन कार्यकारिणी में महासचिव पद पर रमेश माली एवं मुकेश मालवीय नेहा श्रीमाली ललित तिवारी महिंद्रा रामावत मधुबाला अंकिता शर्मा गुणवती गोस्वामी निशा मालवीय राजू राम परमार आदि सहित जिले के सभी कार्यकर्ता जिला स्तरीय सम्मेलन में मौजूद रहे।

गरीब वर्ग के परिवार की मदद करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी

पाली. नरेश कुमार सीरवी. राजस्थान पंचायत राज विभाग ग्रामीण स्तर पर पंचायत समिति चुनाव को लेकर आवेदन जमा करने की प्रक्रिया हुई शुरू..जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनाव को लेकर संपूर्ण राजनीतिक दलों द्वारा जिले में चर्चा का दौर हुआ शुरू पाली पंचायत समिति के वार्ड संख्या 10 के लिए भारतीय जनता पार्टी के लोकप्रिय नेक लाडले उम्मीदवार ईश्वर दान चारण द्वारा आवेदन जमा कराया गया.जिले के संपूर्ण पंचायत समिति स्तर पर पंचायत समिति चुनाव को लेकर अलग-अलग राजनीतिक दलों के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं द्वारा चुनाव की सरगर्मी तेज हुई. ईश्वर दान चारण द्वारा आवेदन जमा कराने के बाद रूबरू होकर बोले कि गरीब वर्ग के परिवार की मदद करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी. विकास के संबंधित विकास कार्यों को लेकर बताया गया कि हर संभव प्रयास करके विकास के कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा इस प्रकार पाली पंचायत समिति के वार्ड संख्या 10 से आवेदन जमा कराए गए.इस मौके पर खेरवा ग्रामपंचायत सरपंच प्रतिनिधि भरत सिंह राणावत वडेर वास ग्राम पंचायत उप सरपंच गणेश राम सीरवी हेमावास पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष शंकर सिंह राजपुरोहित आदि सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता पदाधिकारियों की उपस्थिति में वार्ड संख्या 10 पंचायत समिति चुनाव के लिए ईश्वर दान चारण द्वारा आवेदन जमा कराया गया.

शिवसेना एवं भारतीय मोदी आर्मी का पाक एवं गुपकार एलाइंस के खिलाफ संयुक्त विरोध प्रदर्शन पाकिस्तान के साथ तमाम संबंध खत्म करने की मांग

अमित कुमार

जम्मू। शिवसेना बाला साहेब ठाकरे एवं भारतीय मोदी आर्मी ने आज संयुक्त रूप से पाकिस्तान एवं गुपकार एलाइंस के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के साथ तमाम संबंधों पर पूर्ण विराम लगाने एवं गुपकार एलाइंस के मुख्य दलों के देश विरोधी बयानों पर देश से माफी मांगने की मांग की गई । शिवसेना प्रदेशाध्यक्ष मनीश साहनी एवं भारतीय मोदी आर्मी के अध्यक्ष बाल संत क्षी साहिल जी महाराज की अध्यक्षता में करीब 300 समर्थकों ने आज जम्मू में हरि सिंह प्रतिमा पर पाकिस्तान एवं गुपकार एलाइंस के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की । प्रदेशाध्यक्ष साहनी एवं साहिल जी महाराज ने पुलवामा को लेकर पाकिस्तान के कबूलनामें के बाद , प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी से पाकिस्तान के साथ तमाम संबंधों पर पूर्ण विराम लगाने एवं दिल्ली में पाक उच्चायुक्त को बंद करने की मांग की है । वही गुपकार एलाइंस के मुख्य दल पीडीपी अध्यक्षता पर बोलते हुए , साहनी ने कहा कि 14 महीने नजरबंद रहने के बावजूद जनता को गुमराह करने एवं भड़काने से बाज नहीं आ रहे। उन्होंने कहा कि रसी जल गई, मगर बल नहीं गया। इन नेताओं को जम्मू-कश्मीर का शांति बहाली की तरफ बढ़ना सहन नहीं हो पा रहा है। गुपकार एलाइंस की आड़ में जनता को भड़काने एवं गुमराह करने के हर संभव प्रयास हो रहे है। वहीं भारतीय मोदी आर्मी अध्यक्ष एवं बाल संत साहिल जी महाराज ने महबूबा मुफ्ती को अपने बयानों पर देश से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि गुपकार एलाइंस के दोनों मुख्य दलों के बयान देश विरोधी है । डॉ फारुख अब्दुल्ला 370 को लेकर चीन का राग अलापने लगते हैं और महबूबा मुफ्ती तिरंगा नही उठाने जैसे बयान दे जनता को भड़काने का प्रयास कर रही है , जिसे देशद्रोह की श्रेणी में गिना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धारा 370 इतिहास बन चुका है और अगर महबूबा मुफ्ती को देश की शान तिरंगे को लेकर कोई दिक्कत है तो उन्हे भारत देश में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर महबूबा ने माफी नहीं मांगी तो अपने कार्यकर्ताओं को महबूबा को सबक सिखाने को लेकर वह ज्यादा देर तक रोक नहीं पाएंगे। इस मौके पर भारतीय मोदी आर्मी के नेता सुखजीत सिंह, कृष्ण लाल, सतीश वैध, डा वरिन्द्र लकौतरा , संतोष सिंह, अध्यक्ष किसान मोर्चा दविन्द्र सिंह चिब, विकास सलाथिया, शिवसेना महिला विंग अध्यक्ष मिनाक्षी छिब्बर, महासचिव विकास बख्शी, कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी गुप्ता, सचिव राज सिंह, बलवंत सिंह, राजू सलारिया, संजीव सूदन, गीता रानी समेत कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

जिला पुलिस रियासी द्वारा जारी की गई एकता के लिए दौड़

रघुवीर ठाकुर/

रियासी जिला पुलिस रियासी के पुलिस शहीदों की प्रेममयी स्मृति में ÷पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर रन फॉर यूनिटी के आयोजन के संबंध में उच्चतर सूत्रीकरण के निर्देशों के अनुपालन में, जिला पुलिस रियासी ने कार्यक्रम का आयोजन सिविक एक्शन प्रोग्राम 2020 के तहत किया। श्रीमती रश्मि वज़ीर जेकेपीएस एसएसपी रियासी की समग्र देखरेख में आज रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जिसमें रियासी के सभी नागरिकों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस आयोजन में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ युवाओं ने भी भाग लिया। रियासी की लड़कियों ने भाग लिया। कार्यक्रम तीन श्रेणियों सीनियर, जूनियर (बॉयज) और जूनियर (लड़कियों) में आयोजित किया गया था। वरिष्ठ नागरिकों के लिए शुरुआत सरकारी हाई स्कूल गैर मारी (रियासी) जबकि जूनियर्स के लिए शुरुआत ग्रां मोड़ (रियासी) था। कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सुबह 7÷00 बजे एसएसपी रियासी द्वारा दौड़ को हरी झंडी दिखाई गई। सभी प्रतिभागियों को परिणति बिंदु यानी स्पोर्ट्स स्टेडियम रियासी में जलपान दिया गया। सभी विजेताओं को नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र और पदक से पुरस्कृत किया गया। रियासी के नागरिकों ने जमीनी स्तर पर विभिन्न कार्यों को आयोजित करने के लिए पुलिस की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल युवाओं के बीच खेल संस्कृति को विकसित करने में मदद मिलती है बल्कि यह भी प्रशस्त होता है कि पुलिस जनसंपर्क में सुधार के लिए एक रास्ता है और समाज से विभिन्न नशीली दवाओं से संबंधित खतरों को मिटाने में भी योगदान देता है। आयोजन के दौरान एडिशनल एस पी रियासी श्री सुरजीत कुमार भगत जेकेपीएस, श्री सतीश भारद्वाज-जेकेपीएस एसडीपीओ अरनास, इंस्पेक्टर सुमीत शर्मा एसएचओ पी / एस रियासी, अन्य पुलिस अधिकारी / अधिकारी, खेल अधिकारी, गौतम कुंडल, ताहिर बिलाल, अरुण देव सिंह, दिनेश ,, अनूप और राज कुमार, शिक्षक, मीडियाकर्मी और रियासी के नागरिक उपस्थित थे। बाद में, एसएसपी रियासी ने सभी विजेताओं के बीच पुरस्कारों का वितरण किया। इससे पहले कि प्रस्तुति समारोह में मिचल, धर्मंजय और संदीप ने दर्शकों को अपनी ब्रेकडाउन प्रतिभा दिखाई। रन फॉर यूनिटी के लिए रियासी के युवाओं के उत्साह को देखते हुए, एसएसपी रियासी ने उन्हें इस तरह के मैराथन आयोजित करने का आश्वासन दिया। भविष्य में भी और युवाओं से अनुरोध किया कि वे अपनी ऊर्जा को सकारात्मक तरीके से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए मानव संसाधन बनाने और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया।

मप्र उपचुनाव में कांग्रेस के लिए कैसे नहीं है राह आसान

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में मध्यप्रदेश उपचुनाव का प्रचार भले ही कम हो, पर यह उपचुनाव कांगेस और भाजपा के लिए बेहद अहम है। क्योंकि उपचुनावों के परिणाम सरकार के भविष्य का फैसला करेंगे। यही वजह है कि कांग्रेस और भाजपा चुनाव में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मध्यप्रदेश में 28 सीट पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस दोहरी चुनौती से जूझ रही है। पार्टी को इन चुनाव से अधिक से अधिक सीट जितने के साथ अपना घर बचाए रखना है। क्योंकि पिछले छह माह में कांग्रेस के 26 विधायको ने हाथ छोड़ा है। इन 28 में से 25 सीट पर चुनाव कांग्रेस विधायकों के पाला बदलने की वजह से हो रहा है। जबकि तीन सीट विधायको के निधन से खाली हुई थी। पार्टी के एक विधायक ने उपचुनावों के बीच कांग्रेस छोड़ने का ऐलान किया है।

उपचुनाव में कांग्रेस सभी सीट पर पूरी ताकत झोंक रही है, पर पार्टी उन छह सीट पर ज़्यादा ध्यान दे रही है, जहां 2018 के विधानसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवार बहुत कम अंतर से जीते थे। इस बार सभी विधायक पाला बदलकर भाजपा के टिकट

पर चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में पार्टी ने इन सीट पर अपना दबदबा बनाए रखने के लिए हर सीट पर कई नेताओं को तैनात किया है। इसके साथ पार्टी की ग्वालियर चंबल क्षेत्र की सीट पर भी खास ध्यान दे रही है। मध्यप्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि उपचुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी। पर यह कहना गलत होगा कि हम सभी सीट जीत रहे हैं। विधानसभा के आंकड़ो के मुताबिक, भाजपा को बहुमत का आंकड़ा हासिल करने के लिए सिर्फ नौ-दस सीट की जरूरत है, जबकि कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचने के लिए सभी सीट या कम से कम 21 सीट पर जीत दर्ज करनी होगी। तब वह दूसरे दलों के साथ मिलकर गठबंधन सरकार का गठन कर सकती है।

क्या है विधानसभा की स्थिति-मध्य प्रदेश विधानसभा में कुल 230 सीट हैं। इनमें से 28 पर उपचुनाव हो रहे हैं। इस वक्त भाजपा के पास 107 और कांग्रेस के 87 विधायक हैं। ऐसे में भाजपा को बहुमत के लिए 9 और कांग्रेस को सभी 28 सीट की जरूरत होगी। दूसरे छोटे दलों के साथ मिलकर सरकार बनाने के लिए कांग्रेस को उपचुनावों में कम से कम 21 सीट पर अपनी जीत दर्ज करनी होगी।

सराहनीय ! रेलवे पुलिस ने अक्षम बच्चों के लिए प्रारम्भ की अनूठी पाठशाला

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर की शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने यहां मुख्य रेलवे स्टेशन पर एक गैर सरकारी संगठन के सहयोग से प्लेटफॉर्म पर गुजर-बसर करने वाले समाज के अक्षम तबके के बच्चों को शिक्षित करने की एक अनूठी पहल प्रारंभ की है। जीआरपी अधीक्षक किरण लता केरकेटा ने बताया कि बीती 22 अक्टूबर से हमने यहां जीआरपी थाना परिसर में बच्चों को पढ़ाना शुरू किया है। उन्होंने बताया कि सप्ताह में प्रतिदिन 3 से 5 बजे तक लगने वाली इन नियमित कक्षाओं में 10-12 बच्चें शामिल हो रहे है। इनमें 5 से 13 वर्ष की आयु के ए बच्चें यहीं रेलवे स्टेशन के नजदीक झुग्गी-झोपडी में रहने वाले है। रेलवे स्टेशन के आसपास भिक्षावृत्ती करना, कचरा बीनने, गुब्बारे बेचने व बाल मजदूरी कर ए अपना जीवन यापन करते आए है। पश्चिम रेलवे के मुख्य प्रवक्ता जितेंद्र कुमार जयंत ने बताया कि कुछ वर्षों पहले रेलवे स्टेशन पर यात्रियों तथा अन्य लोगो के साथ होने वाली अपराधों में नाबालिग बच्चों की भूमिका सामने आ रही थी। जिसके बाद अक्षम तथा असहाय बच्चों के हितार्थ काम करने वाली एनजीओ की सहायता से ऐसे बच्चों को चिन्हित कर उन्हें प्राश्रय दिया गया। श्री जयंत के अनुसार इसी क्रम में बीते दो वषो में 70 से ज्यादा बच्चों को रेलवे स्टेशन पर भटकते परामर्श केंद्र लाया गया। यहां परामर्श केंद्रों में इन बच्चों से सहज बातचीत कर इनके माता-पिता का पता लगा कर इन्हें इनके घर पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि रेलवे पुलिस द्वारा शुरू कि गई अध्यनशाला का मुख्य उद्देश्य ऐसे अक्षम बच्चों को शिक्षित कर इन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है। रेलवे प्रवक्ता ने बताया इसी मुहीम को इंदौर के साथ उज्जैन में भी शुरू किया गया है। भविष्य में सफलता मिलने पर इसी तरह अध्ययनशाला राज्य के अन्य रेलवे स्टेशन पर भी शुरू करने की योजना है।

मप्र में कोरोना वायरस के 728 नए मामले, 16 और लोगों की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 728 नए मामले सामने आए जिससे प्रदेश में अब तक संक्रमित पाये गए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 169999 हो गई। राज्य में पिछले 24 घंटे में संक्रमण से 16 और व्यक्तियों की मौत की पुष्टि हुई है जिससे राज्य में मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,929 हो गई। मध्य प्रदेश के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, पिछले 24 घंटे के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण से भोपाल में तीन, खरगोन एवं राजगढ़ में दो-दो तथा जबलपुर, सागर, शहडोल, बैतूल, रतलाम, दमोह, रायसेन, झाबुआ एवं शाजापुर में एक-एक मरीज की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया, राज्य में अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 679 मौतें इंदौर में हुई हैं, जबकि भोपाल में 474, उज्जैन में 97, सागर में 124, जबलपुर में 202 एवं ग्वालियर में 159 लोगों की मौत हुई है। बाकी मौतें अन्य जिलों में हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 205 नए मामले भोपाल जिले में सामने आए, जबकि इंदौर में 126 एवं ग्वालियर में 38 नए मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 169999 संक्रमितों में से अब तक 157381 मरीज स्वस्थ होकर घर चले गए हैं और 9,689 मरीजों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को 1,117 रोगियों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई।

व्यक्तिगत बयानों से नाराज शिवराज सिंह चौहान बोले

कांग्रेस नेताओं के पास मुझे गाली देने के अलावा और कोई काम नहीं

इंदौर। मध्य प्रदेश की 28 विधानसभा सीटों पर तीन नवंबर को होने वाले उपचुनावों के प्रचार में कांग्रेस की ओर से जारी व्यक्तिगत हमलों पर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रमुख विपक्षी दल के नेताओं के पास उन्हें बुरे शब्द कहने के अलावा कोई भी काम नहीं है। चौहान ने इंदौर शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर सेमल्या चाऊ गांव में अपने चुनावी रोडशो के दौरान कहा, जोर से बताइए कि कांग्रेस ने (प्रदेश के लिए) कुछ किया है क्या? उनका (कांग्रेस नेता) एक ही काम है- शिवराज सिंह चौहान को गाली देना। उन्होंने कहा, वे कभी मुझे नालायक बताते हैं, तो कभी कहते हैं कि मैं नारियल ही फोड़ता रहता हूँ। अब मैं विकास के काम करूंगा, तो नारियल फोडूंगा या नहीं फोडूंगा?

चौहान ने कहा कि उनके किए विकास कार्य केवल ट्रेलर हैं और पिक्चर तो अभी बाकी है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर निशाना साधते हुए कहा, कमलनाथ बताएं कि उनकी सरकार ने राज्य के लिए

किया क्या है? चौहान, अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सांवेर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार और प्रदेश के पूर्व जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट के प्रचार के लिए आए थे। उन्होंने कहा, (कांग्रेस में रहने के दौरान) सिलावट जब कमलनाथ सरकार में मंत्री थे और विकास कार्यों के लिए उनके पास जाते थे, तो तत्कालीन मुख्यमंत्री सरकारी खजाने में धन की कमी की बात करते थे और उन्हें कहते थे-चलो-चलो। चौहान ने ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं से पूछा, ÷क्या आपको ऐसा मुख्यमंत्री चाहिए जो हमेशा धन की कमी का रोना रोता रहे? उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनके मुख्यमंत्री रहने के दौरान खासकर गरीबों और किसानों से जुड़ी योजनाओं के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती कमलनाथ सरकार की कर्ज माफी योजना की नाकामी और विसंगतियों के कारण ईमानदार किसानों पर ब्याज का बोझ चढ़ गया। उन्होंने कहा, कमलनाथ सरकार की कर्ज माफी योजना के चक्कर में जिन बकायादार किसानों के सिर पर ब्याज की गठरी चढ़ गई है, हम उनके सिर से यह गठरी उतारेंगे। चौहान ने यह भी कहा, जब दिग्विजय सिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब वह नर्मदा नदी का पानी क्षिप्रा नदी में लाने को असंभव कार्य बताते थे। लेकिन मेरे शब्दकोश में असंभव शब्द नहीं है और हमारी सरकार ने क्षिप्रा तथा गंभीर नदियों में नर्मदा का पानी लाकर दिखा दिया। मुख्यमंत्री ने किसान मतदाताओं को लुभाते हुए कहा कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र के हर खेत में नर्मदा का पानी पहुंचाया जाएगा।

यूपी पंचायत चुनाव 2020 से पहले गांव में खुफिया एजेंसियां खोज रहीं प्यार करने वालों को

मेरठ। खुफिया एजेंसियां अब गांव-गांव जाकर प्रेम-प्रसंग के मामले ढूंढ़ रही हैं। आगामी पंचायत चुनाव में ये मामले किसी बड़े विवाद की वजह न बन जाएं, इसके लिए पहले से ही एहतियात बरती जा रही है। उत्तर प्रदेश के एडीजी (इंटेलिजेंस) एसबी शिरोडकर की तरफ से पिछले दिनों एक पत्र जारी किया गया है। उन्होंने पंचायत चुनाव के मद्देनजर 11 बिंदुओं पर जानकारी जुटाने का निर्देश दिया है। इसमें एक बिंदु प्रेम-प्रसंग भी है। एलआईयू और इंटेलिजेंस को गांव-गांव में चल रहे अवैध प्रेम संबंध के मामले इकट्ठा करने होंगे। वर्तमान में गांव में क्या स्थिति है, पुलिस ने कोई कार्रवाई की है या नहीं, विवाद...आदि पर जानकारी जुटानी होगी। कई बार इस तरह के मामले बड़ा रूप धारण कर लेते हैं और बवाल की वजह बन जाते हैं। पंचायत चुनाव में ऐसा कुछ न हो, इसलिए पहले से इस तरह की जानकारियां जुटाई जा रही हैं।

इन बिंदुओं पर भी जांच-इसके अलावा गांवों में उन लोगों को भी सूचीबद्ध किया जा रहा है जो अचानक धनाढ्य हो गए। जातीय विवाद, जमीन से जुड़े विवाद, धर्मस्थल विवाद भी जुटाए जा रहे हैं। पंचायत चुनाव में क्या विवाद हो सकता है, इसका पूर्वानुमान लगाते हुए पहले से सूचना मांगी गई है। बता दें कि उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। ऐसे में पुलिस से लेकर खुफिया एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं। पंचायत चुनावों के ठीक एक साल बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए इनकी महत्ता और बढ़ जाती है। अजय साहनी, एसएसपी मेरठ का कहना है कि पंचायत चुनाव के मद्देनजर गांवों से सूचनाएं एकत्रित कराई जा रही हैं।

मुंह बंदकर खेत में ले गया फिर नाबालिग से किया दुष्कर्म

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक नाबालिग से दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। जिले के जमोड़ी थाना क्षेत्र में मंगलवार रात रिश्तेदार के यहां आए युवक ने घर का मेन गेट बंद करने गई एक नाबालिग लड़की का मुंह बंद कर उसे खेत में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर जमोड़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी रामराज साहू पोखरा निवासी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। घटना के वक्त नाबालिग लड़की के माता-पिता घर पर नहीं थे। बुजुर्ग दादा दादी घर पर थे। ऐसे में रात के समय नाबालिग जब गेट बंद करने गई तो वहां गेट के पास छुपा आरोपी रामराज उसे पकड़ लिया और मुंह बंदकर खेत में ले जाकर घटना को अंजाम दिया। आरोपी रामराज अपने रिश्तेदारों के यहां घूमने गया था, जहां

उसकी नजर नाबालिग पर पड़ी। पुलिस अधिकारी अंजू लता पटले का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

यूपी- भाजपा के 56 जिला कार्यालयों में वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल की शुरुआत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने 56 जिला कार्यालयों में शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष की शुरुआत की। पार्टी ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष की शुरुआत की। इन कार्यालयों में वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष हो जाने से अब जिला, राज्य और राष्ट्रीय मुख्यालय से जुड़ने में सहूलयित होगी। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने 56 जिलों के पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन हमारे लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारे शीर्ष नेतृत्व ने यह अपेक्षा की थी कि सभी कार्यालय अत्याधुनिक तकनीक और वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़े।

कोरोना काल में आए 2.50 लाख प्रवासियों को यूपी में मिला रोजगार

लखनऊ। रोजगार को लेकर राज्य सरकार के दावों की तस्दीक उसके विभिन्न विभागों के आंकड़े भी करने लगे हैं। अकेले श्रम एवं सेवायोजना विभाग के आंकड़ों की बात करें तो इस विभाग के दस्तावेजों के अनुसार कोरोना काल में देश के विभिन्न प्रदेशों से यूपी वापस लौटे 2.50 प्रवासी बेरोजगारों को प्रदेश में रोजगार मिला है। इसके अलावा ग्राम्य विकास, लोक निर्माण, सिंचाई एवं जल संसाधन, लघु सिंचाई,

कृषि, उद्यान, मत्स्य, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, ग्रामीण अभियंत्रण विभागों के विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रमों में भी बड़ी संख्या में प्रवासियों के साथ-साथ प्रदेश के बेरोजगारों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। सबसे अधिक ग्राम्य विकास विभाग के मनरेगा योजना में रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं।

श्रम एवं सेवायोजना विभाग के दस्तावेजों में दर्ज आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में करीब 35 लाख बेरोजगार हैं जबकि कोरोना काल में करीब 37 लाख प्रवासी बेरोजगार वापस अपने प्रदेश यूपी लौटे हैं। इनमें से 2.50 प्रवासियों को रोजगार प्राप्त हो चुके हैं। हालांकि यह आंकड़ा केवल श्रम एवं सेवायोजना विभाग के है। वहीं इस विभाग से सम्बद्ध उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में जिसमें निर्माण कार्य के श्रमिक आते हैं के पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार प्रदश में पंजीकृत निर्माण श्रमिको की संख्या 63.24 लाख है। वर्ष 2020-21 में ही 10.95 लाख निर्माण श्रमिकों से इस पोर्टल पर अपना पंजीयन कराया है। इनमें 3.97 लाख श्रमिक ऐसे हैं जिनके पंजीयन का इस वित्तीय वर्ष में नवीनीकरण किया गया है। इसके अलावा जनहित गारंटीअधिनियम के तहत प्रदेश में 29,60,990 सक्रिय निर्माण श्रमिकों का पंजीकरण नवीनीकरण किया गया है। जानकारों के अनुसार ग्राम्य विभास के अलावा कृषि, उद्यान, मत्स्य, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन जैसे विभागों के कार्यक्रमों व योजनाओं में भी मनरेगा के तहत बड़े पैमाने पर स्थानीय एवं प्रवासियों को रोजगार मुहैय्या कराया गया है।

चित्रकूट पहुंचे सीएम योगी, माता असावर के दर्शन के बाद महर्षि वाल्मीकि की पूजा

चित्रकूट। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे महर्षि वाल्मीकि आश्रम, लालापुर पहुंचे। आश्रम से पहले उन्होंने असावर मंदिर में मां असावर माता के दर्शन किए। मंदिर में असावर माता व महर्षि वाल्मीकि की पूजा करने के बाद मुख्यमंत्री पर्वत के शिखर पर स्थित वाल्मीकि आश्रम पहुंचे। यहां आश्रम के महंत भरतदास महाराज ने उनकी अगवानी की। मुख्यमंत्री ने आश्रम में अखण्ड रामायण पाठ का शुभारंभ किया। आश्रम में पूजा-अर्चना के बाद सीएम यहां पर्यटन से संबंधित कई कार्यों का शिलान्यास कर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। चित्रकूट पहुंचने पर हेलीपैड पर राज्यमंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, सांसद आरके पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, मानिकपुर विधायक आनन्द शुक्ला आदि ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। प्रशासन ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

मुख्तार के भाई सांसद अफजाल अंसारी की बढ़ रहीं मुश्किलें

पत्नी फरहत के खिलाफ लखनऊ में एफआईआर

लखनऊ। गाजीपुर सांसद अफजाल अंसारी की पत्नी फरहत अंसारी के खिलाफ लखनऊ में

एफआईआर हुई है। अपराधिक षड्यंत्र समेत 6 धाराओं में केस दर्ज कराया गया है। लखनऊ में जियामऊ के लेखपाल की तहरीर पर हजरतगंज थाने में ये एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें आईपीसी की धारा 120बी, 420, 447, 448 और 427 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। तहरीर में निष्क्रांत संपत्ति पर कब्जे का जिक्र है। उन पर सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जे करने का अरोप लगा है। बता दें मुख्तार के बेटे और अफजाल की संपत्तियों को पहले ही प्रशासन बुलडोजर से गिराया दिया था. अब इसी मामले में ये मुकदमा दर्ज किया गया है। उधर, मुख्तार अंसारी की भी मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी के खिलाफ जांच में एक शस्त्र लाइसेंस पर कई हथियार खरीदने के मामले का खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि अब्बास की ग्लॉक पिस्टल और स्पेयर बैरल भी अवैध है। इस मामले में अब्बास के खिलाफ राजधानी लखनऊ के महानगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज है। जिसकी जांच एसटीएफ को ट्रांसफर की जा चुकी है। वहीं, दूसरी ओर दिल्ली पुलिस ने अब्बास के शस्त्र लाइसेंस को निरस्त कर दिया है।

अमेठी में दलित प्रधानपति की जलाकर हत्या, स्मृति ईरानी अधिकारियों से बोलीं, जल्द हो आरोपियों की गिरफ्तारी

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी में दलित प्रधानपति की जलाकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने विरोधियों पर हत्या का आरोप लगाया है। परिवालों की तहरीर पर पांच लोगों पर नामजद हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। उधर, मामले जानकारी होते ही केंद्रीय मंत्री व सांसद स्मृति ईरानी तुरंत एक्शन में आ गईं। स्मृति ने डीएम को फोन कर परिवार को आर्थिक मदद के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही एसपी दिनेश सिंह से भी फोन पर बात की। स्मृति ने सभी आरोपियों जल्द-जल्द गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई करें। मुंशीगंज कोतवाली क्षेत्र के बंदोइया गांव निवासी 40 वर्षीय अर्जुन पुत्र रामचरण कोरी गुरुवार की देर रात लगभग 10÷30 बजे गांव के ही एक व्यक्ति के मकान की बाउंड्री के अंदर जली हुई अवस्था में पाए गए। परिजन इलाज के लिए उन्हें सीएचसी नौगिरवा ले गए। जहां से डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल सुल्तानपुर रेफर कर दिया। सुल्तानपुर से उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर किया गया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। शव घर पहुंचने पर मृतक के परिजनों में हाहाकार मच गया। सूचना पर भारी संख्या में पुलिस बल मृतक के घर पहुंच गया। इस संबंध में एसपी दिनेश सिंह ने बताया कि अभी कोई तहरीर मिली है। पांच लोगों पर नामजद हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

सम्पादकीय

वादे हैं वादों का क्या

कोरोना वायरस के संक्रमण ने दुनिया के सामने जिस तरह का संकट पेश किया है, उसमें रहीम को याद किया जाना बहुत जरूरी है। वह कहते हैं- रहिमन विपदा हू भली, जो थोरे दिन होय/ हित अनहित या जगत में, जान परत सब कोय। यानी अगर विपदा थोड़े दिन के लिए आ जाए, तो वह बेहतर होती है, इससे इस बात की परख हो जाती है कि इस दुनिया में कौन हमारा सच्चा हितैषी है और कौन नहीं। हालांकि, यहां प्रसंग रहीम का नहीं, बल्कि यू-गॉव कैंब्रिज ग्लोबलिज्म प्रोजेक्ट के एक सर्वे का है। 2020 में हुए इस सर्वे के नतीजे लगभग वही कह रहे हैं, जो सदियों पहले रहीम ने कह दिया था। दुनिया के 25 देशों में यह सर्वे इस बात पर किया गया कि लोकलुभावन वादे और बड़ी-बड़ी बातें करने वाले राजनेताओं की लोकप्रियता कोरोना वायरस संकट के दौरान कैसी है? यह सर्वेक्षण एक ऐसे दौर में हुआ है, जब पिछले एक दशक से हमें यह लगने लगा है कि दुनिया भर में लोकलुभावन वादे करने वाले नेताओं का दौर लौट आया है। बेशक यह दौर कोरोना वायरस संकट से पहले ही आ गया था, लेकिन यह संकट उनके वादों, उनकी बातों और उनकी क्षमताओं का इम्तिहान बन गया। हालांकि, यह पूरा सर्वेक्षण मूल रूप से यूरोप केंद्रित है, लेकिन पूरी दुनिया की राजनीति के लिए इसके सबक बहुत महत्वपूर्ण हैं। खासकर, उन लोकतांत्रिक देशों में, जहां खुली स्पर्द्धा से नेतृत्व का रास्ता तैयार होता है। एक तरफ ऐसे खुले समाजों में आगे बढ़ने की संभावनाएं अनंत होती हैं, तो दूसरी तरफ यह खुलापन राजनीति को लोकलुभावन होने की जमीन भी देता है। सर्वेक्षण बताता है कि ऐसे नेताओं की लोकप्रियता काफी तेजी से घटी है। जब लोग यह उम्मीद कर रहे थे कि हमारे नेता हमें संकट से निकाल लेंगे, तो ऐसे नेता उम्मीद पर खरे नहीं उतरे। सर्वेक्षण में यह पाया गया कि यूरोप के जिन भी देशों में इस तरह के दलों और नेताओं की सरकारें हैं, उन सभी में ऐसे नेताओं की लोकप्रियता तेजी से घटी है। यह बात अलग है कि किसी में कम तेजी से घटी है और किसी में बहुत तेजी से। मसलन, अगर हम डेनमार्क को लें, तो वहां ऐसे नेताओं की लोकप्रियता पहले के मुकाबले महज 22 फीसदी रह गई है। ब्रिटेन और जर्मनी में यह गिरावट कम है। उन नेताओं की लोकप्रियता भी काफी गिरी है, जो जब सत्ता में नहीं थे, तो लोगों को यह बताते थे कि देश दो हिस्सों में बंटा हुआ है, एक तरफ, आम लोग हैं और दूसरी तरफ, भ्रष्ट प्रभु-वर्ग है, जो आम लोगों का विकास नहीं होने देता। और लोगों ने पाया कि बाद में जब ऐसे नेता खुद सत्ता में आए, तो उनकी स्थिति में जरा भी फर्क नहीं ला सके। तो क्या इसके बाद हम यह मान लें कि लोग अब पूरी तरह समझ गए हैं और भविष्य में वे किसी के भी झांसे में नहीं आएंगे? शायद इस सवाल का जवाब इतना सीधा नहीं है। सच सामने आ गया है, लेकिन बहुत खुश होने की जरूरत भी नहीं है। एम्सटर्डम यूनिवर्सिटी के राजनीतिक समाजशास्त्री मथिजिस रुदजिन का कहना है कि कोरोना वायरस ने इनकी सच्चाई जरूर दिखा दी है, लेकिन इसने आर्थिक संकट भी पैदा किया है, जो भविष्य के लिए लोकलुभावन राजनीति की एक नई जमीन तैयार कर सकता है।

जटिल चुनावी समर में बिहार

बिहार का चुनावी समर जारी है। चुनाव का माहौल कोरोना के भय का पग-बंध काटकर शहरों के साथ-साथ गांवों, गलियों, खेतों, खलिहानों में फैलता जा रहा है। रैलियां, सभाएं, बैठकें लगातार जारी हैं। इन सबके साथ बिहार चुनाव दिन-ब-दिन जटिल होता जा रहा है। यह जटिलता कई रूपों में दिखाई पड़ रही है। इसी बढ़ती जा रही जटिलता के कारण यह चुनाव कई 'किंतु-परंतु' का चुनाव बनता जा रहा है। इसी कारण जहां कुछ राजनीतिक आकलनों में एनडीए को विजयी होते, किंतु नीतीश कुमार को कमजोर होते देखा जा रहा है, वहीं कुछ आकलनों में एनडीए के विजय की भविष्यवाणी तो की जा रही है, किंतु तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महा-गठबंधन को मजबूत होते, तेजस्वी पर लोगों का विश्वास बढ़ते भी देखा जा रहा है। यह चुनाव इसलिए भी जटिल, पर रोचक होता जा रहा है, क्योंकि एक तरफ चिराग पासवान के नेतृत्व में लोक जनशक्ति पार्टी है, जो अब तक राज्य एवं केंद्र में एनडीए का घटक दल रहा है, लेकिन अब वर्तमान मुख्यमंत्री को निशाना बना रहा है। वहीं दूसरी तरफ, वह एनडीए के बड़े घटक दल भाजपा के साथ दिखने की कोशिश करने में भी लगा है। हालांकि भाजपा उससे अपने किसी भी तरह के रिश्ते से इंकार करने में लगी है। बिहार विधानसभा का आगामी चुनाव इस मामले में भी रोचक है कि इसके विमर्श में बड़े दलों एवं महा-गठबंधन का वर्चस्व तो साफ दिख रहा है, पर मुकेश साहनी की पार्टी वीआईपी एवं पुष्पम प्रिया की प्लूरल्स पार्टी जैसे छोटे व नए राजनीतिक दल हैं। ये दल सोशल साइट्स, मीडिया एवं लोगों की बातचीत में बिहार के कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण दिखाई एवं सुनाई पड़ रहे हैं। भोजपुरी गानों के रैप 'बिहार में काबा' और 'बिहार में इबा' की जबाबी कव्वाली तो चल ही रही है। बिहार का यह विधानसभा चुनाव बहुरूपों का कोलॉज है। इसमें अंतर्विरोधों की टकराहटों की गूंज भी साफ सुनी जा सकती है। इसमें एक तरफ बाहुबली मैदान में हैं, तो दूसरी तरफ, शरीफ भी, नव रईस भी। खेतिहर मजदूरों एवं दलितों की जनतांत्रिक आवाजें भी इस चुनाव में गूंजने को बेताब हैं। बिहार में चुनाव को जानने-समझने के दौरान आपको देखने-सुनने को मिल सकता है कि ज्यादातर लोग सरकार से खुश तो नहीं हैं, पर नाराजगी भी इतनी ज्यादा नहीं है कि 'सत्ता परिवर्तन की लहर आ जाए।' लेकिन हां, उनके 15 वर्ष के शासन से उपजे कई असंतोष एवं ऊब अंतर्धारा के रूप में भीतर ही भीतर रेंगते कई जगह कई बार आप सुन और महसूस कर सकते हैं।

अगर आप बिहार के ग्रामांचलों में घूमें, तो विपक्ष के महा-गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री के रूप में पेश किए जा रहे तेजस्वी यादव के प्रति लोगों में धीरे-धीरे आकर्षण बढ़ता आप देख और सुन सकते हैं, किंतु यह आकर्षण बढ़ते-बढ़ते उस बिन्दु तक पहुंच जाए, जहां से वह सत्ता में परिवर्तन का कारण बन जाए, तो यह होना अभी बाकी है। यहां प्रतिद्वंद्विता के त्रिकोण में भाजपा की मौजूदगी का मूल कारण लोगों में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बढ़ता प्रभाव है। बिहार की आधी आबादी महिलाओं के बीच पहले नीतीश कुमार बहुत लोकप्रिय थे। अब नरेंद्र मोदी की छवि उनके बीच लोकप्रिय हुई है। बिहार के गरीबों से बात करते हुए केंद्रीय योजनाओं के लाभ के कारण नरेंद्र मोदी के प्रति बढ़ता आकर्षण देखा, सुना और महसूस किया जा सकता है। बिहार में यों तो शहरी क्षेत्र लगभग 11 प्रतिशत है, जहां भाजपा का ज्यादा प्रभाव माना जाता है, किंतु आज बिहार शहरी आकांक्षा वाले राज्य में तब्दील होता जा रहा है। अर्थात पूरे राज्य में सड़कों और फ्लाई ओवर ने गांवों में भी शहरी आकांक्षाओं को बढ़ाया है। ये बढ़ती शहरी आकांक्षाएं बिहार के संदर्भ में अगर देखें, तो भाजपा के पक्ष में जा सकती हैं।

> नीतीश कुमार ने बिजली, सड़क, साइकिल इत्यादि तो दिए, पर जनतंत्र में जनता की लगातार बढ़ती आकांक्षाएं, रोजगार की कमी, शिक्षा व्यवस्था में गिरावट, कोरोना को रोकने के लिए सरकार के प्रभावी पहल की कमी, बाढ़, प्रवासियों के प्रति सरकार के रवैये ने उनके प्रति असंतोष सृजित किया है। विपक्ष बार-बार चुनाव के विमर्श को बेरोजगारी, बेकारी, अविकास पर ले जाना चाह रहा है। वहीं सत्ता पक्ष लालू राज की अंधेरगर्दी की स्मृति को जगाने में लगा है। उनसे यह समझने में कहीं चूक हो रही है कि बिहार के मतदाताओं का बड़ा भाग बीस वर्ष के आस-पास के उन युवाओं का है, जिन्होंने लालू राज देखा ही नहीं है। जिन्होंने लालू राज को देखा एवं भोगा भी है, वे अतीत में जाने की जगह बेहतर वर्तमान बनता देखना चाहते हैं। एक आंकड़े के अनुसार, बिहार में जो लगभग 67 लाख नए मतदाता बने हैं, उनमें लगभग 16 लाख वे प्रवासी हैं, जो सरकार से ज्यादा नाराज नहीं, तो खुश भी नहीं हैं। बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में लगभग 60 सीटों पर जीत-हार का अंतर बहुत थोड़ा था। ऐसा विधानसभाओं में जीत-हार का गणित ये प्रवासी बना-बिगाड़ सकते हैं। इसके बावजूद नीतीश कुमार प्रभावी छवि के रूप में विद्यमान हैं। लोगों के तर्क एवं आकांक्षाओं के कई बार उनके विरुद्ध होने के बावजूद उनकी छवि लोगों को वोट देने के लिए आकर्षित करती है।

नीतीश कुमार ने बिजली, सड़क, साइकिल इत्यादि तो दिए, पर जनतंत्र में जनता की लगातार बढ़ती आकांक्षाएं, रोजगार की कमी, शिक्षा व्यवस्था में गिरावट, कोरोना को रोकने के लिए सरकार के प्रभावी पहल की कमी, बाढ़, प्रवासियों के प्रति सरकार के रवैये ने उनके प्रति असंतोष सृजित किया है। विपक्ष बार-बार चुनाव के विमर्श को बेरोजगारी, बेकारी, अविकास पर ले जाना चाह रहा है। वहीं सत्ता पक्ष लालू राज की अंधेरगर्दी की स्मृति को जगाने में लगा है। उनसे यह समझने में कहीं चूक हो रही है कि बिहार के मतदाताओं का बड़ा भाग बीस वर्ष के आस-पास के उन युवाओं का है, जिन्होंने लालू राज देखा ही नहीं है। जिन्होंने लालू राज को देखा एवं भोगा भी है, वे अतीत में जाने की जगह बेहतर वर्तमान बनता देखना चाहते हैं। एक आंकड़े के अनुसार, बिहार में जो लगभग 67 लाख नए मतदाता बने हैं, उनमें लगभग 16 लाख वे प्रवासी हैं, जो सरकार से ज्यादा नाराज नहीं, तो खुश भी नहीं हैं। बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में लगभग 60 सीटों पर जीत-हार का अंतर बहुत थोड़ा था। ऐसा विधानसभाओं में जीत-हार का गणित ये प्रवासी बना-बिगाड़ सकते हैं। इसके बावजूद नीतीश कुमार प्रभावी छवि के रूप में विद्यमान हैं। लोगों के तर्क एवं आकांक्षाओं के कई बार उनके विरुद्ध होने के बावजूद उनकी छवि लोगों को वोट देने के लिए आकर्षित करती है। बिहार के जन-मन का यह रोचक अन्तर्विरोध आप बिहार में घूमते हुए सुन एवं देख सकते हैं। 'सोशल इंजीनियरिंग' की धार कुंद होने पर भी नीतीश कुमार बिहार के चुनावी भंवर में मजबूती से खड़े हैं। उधर भाजपा के कील-कांटे मजबूत हैं। सत्ता विरोधी रुझान का घाटा जनता दल यूनाइटेड को ज्यादा, भाजपा को कम होता दिख रहा है। राजद के नेतृत्व में महा-गठबंधन की पूरी संभावना 'तेजस्वी के नेतृत्व' के प्रति लोगों के विश्वास पर टिकी है। चुनाव के वक्त करवट लेने वाले वोटों की भी बड़ी भूमिका जीत-हार तय करने में होती है। देखते हैं, ऐसे 'मनचले वोट' इस बार किधर करवट लेते हैं। बिहार के एक गांव के एक बुजुर्ग ने बातचीत में मुझसे कहा, 'यह चुनाव है, इसके बारे में क्या कहा जाए, यह आम के अचार की तरह कई बार बनते-बनते बिगड़ जाता है और कई बार बिगड़ते-बिगड़ते बन जाता है।' बिहार के इस चुनाव में कई छवियां बन-बिगड़ रही हैं, कई वृतांत गढ़े और मढ़े जा रहे हैं। बिहार के लोगों से इस चुनावी वक्त में संवाद करते हुए एक बात आपको बार-बार महसूस होगी कि जनता इस चुनावी वक्त में अपने को मजबूत महसूस कर रही है। यही शायद हमारे जनतंत्र की खूबी है।

जमाना चाहता है

वो खुदा होने पे आना चाहता है,
क्या से क्या मुझे बनाना चाहता है।
रख दिया चाक पर मुझको उठाकर,
और नए सांचे में लाना चाहता है।
मुश्किलों की आंच में मुझे तपाकर,
किस क़दर सजाना चाहता है।
मेरे रब इस कदर फिर क्यूं उछाला,
आसमां पर क्यूं बिठाना चाहता है।
दर्द में हर रोज करता है इज़ाफा,
क्यूं नई ठोकर लगाना चाहता है।
उफ़ करूं और टूट जाऊं चूर होकर,
सब्र मेरा आजमाना चाहता है।
ढालकर शब्दों में तुमको दिल हमारा,
गीत कोई गुनगुनाना चाहता है।

अभिलाषा सिंह, वरिष्ठ कवयित्री व शिक्षिका,प्रयागराज,उत्तर प्रदेश

सेक्टर अधिकारी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराएं : कलेक्टर

नरेंद्र जाटव

शिवपुरी। सभी सेक्टर अधिकारी अपने सेक्टर के तहत आने वाले मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करें। मतदान केन्द्र के आस-पास होने वाली सभी गतिविधियों पर निगरानी रखें। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अक्षय कुमार सिंह ने यह निर्देश सभी सेक्टर अधिकारियों को दिए हैं। गुरुवार को शासकीय पी.जी.कॉलेज में सेक्टर अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अक्षय कुमार सिंह ने प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि सेक्टर ऑफिसर अब पूरी तरह सक्रिय होकर अपनी ड्यूटी करें। सौंपे गए सेक्टरों के तहत् मतदान केंद्रों का पुलिस अधिकारियों के साथ भी निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि सेक्टर अधिकारियों को वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस की टीम संयुक्त रूप से भ्रमण कर व्यवस्थाएं देखें। शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराना अहम जिम्मेदारी है और इसी को ध्यान में रखते हुए मतदान केंद्रों पर निगरानी एवं निरीक्षण के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट की टीम गठित की गई हैं। सभी अपनी ड्यूटी के प्रति जिम्मेदार रहे और मतदान केंद्र पर शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराएं और रिटर्निंग अधिकारी को जानकारी उपलब्ध कराएं। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा भी सेक्टर अधिकारियों को मतदान के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एच.पी.वर्मा, एडीएम श्री राजेश ओगरे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवांगी अग्रवाल भी उपस्थित थी।

सही नक्शे का प्रसार-निजी डाटा सुरक्षा पर बनी संसदीय समिति ने भारतीय नक्शे के गलत प्रतिनिधित्व पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर को एफिडेविट देकर माफी मांगने के लिए बाध्य ही नहीं किया, देश में काम कर रही दुनिया भर की कंपनियों को उनकी हद बताने का नक्शा भी खींच दिया है। हालांकि, संसदीय समिति के सामने पेशी से बहुत पहले ही ट्विटर इस मसले पर माफी की मुद्रा में आ गया था। जब यह खबर मिली कि ट्विटर के एक लाइव प्रसारण में न सिर्फ लद्दाख, बल्कि जम्मू-कश्मीर तक को चीन का हिस्सा बताकर टैग किया गया है, तभी सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस पर कड़ी चेतावनी जारी कर दी थी। यह स्थिति तब है, जब ट्विटर समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारत में खुलकर अपना नेटवर्क और कारोबार फैलाने की छूट है, जबकि चीन में उन्हें तरह-तरह की पाबंदियों से गुजरना पड़ता है। ट्विटर पर तो वहां लगभग पाबंदी ही है। अभी कुछ ही दिन पहले गलत नक्शे का एक मामला ऑनलाइन कारोबार करने वाली कंपनी अमेजन के खिलाफ भी उठा था और उसे भी माफी मांगनी पड़ी थी। अच्छी बात यह है कि सरकार ने इन मामलों में अब सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। भारत की तरफ से इस तरह की सख्ती इसलिए भी जरूरी थी कि सोशल मीडिया पर भारत के गलत नक्शों की भरमार है। अगर इसे रोकना है, तो इस सख्ती को न सिर्फ जारी रखना होगा, बल्कि आगे तक ले जाना होगा। इस पर भारत सरकार और उसकी विभिन्न संस्थाओं को गंभीरता से काम करना होगा। समस्या का एक पहलू यह भी है कि इंटरनेट पर भारत के सही नक्शे बहुत ही कम उपलब्ध हैं। यहां तक कि भारतीय मीडिया संस्थाओं, कंपनियों और शिक्षा संस्थानों को भी जब किसी तरह के नक्शे की जरूरत होती है, तो उन्हें इसके लिए काफी जूझना पड़ता है। और देश से बाहर के संस्थानों, कंपनियों, नक्शानवीसों, कार्टोग्राफर, कलाकार वगैरह को जब भारत के किसी नक्शे की जरूरत होती है, तो ज्यादा आशंका यही है कि उन्हें गलत नक्शा ही मिलेगा। वे अक्सर बिना किसी गलत मंशा के, अनजाने में गलत नक्शे सिर्फ इसलिए पेश कर रहे होते हैं कि उन्हें न तो इसका कोई ज्ञान होता है और न ही उनके पास इसका विकल्प होता है। इसे देखते हुए जरूरी यह है कि बड़ी संख्या में तरह-तरह के सही नक्शों को उपलब्ध कराया जाए। भारत में नक्शों को तैयार करने और उन्हें जारी करने काम सर्वे ऑफ इंडिया करता है। यह संस्था एक ऐसी वेबसाइट तो शुरू कर ही सकती है, जहां हाई-रिज्योलूशन में हर तरह के नक्शे उपलब्ध हों। इसके अलावा अगर किसी विदेशी वेबसाइट पर कोई गलत नक्शा दिखता है, तो उस पर विरोध दर्ज कराने की संस्थागत व्यवस्था का होना भी बहुत जरूरी है। इन तरीकों से भारत के सही नक्शों का न सिर्फ प्रसार हो सकेगा, बल्कि उन्हें लेकर एक तरह की जागरूकता भी दुनिया भर में पैदा की जा सकेगी। समस्या का एक और पहलू भी है। इस समय दुनिया में नक्शों और ग्लोब वगैरह का सबसे ज्यादा उत्पादन व व्यापार चीन से हो रहा है। और वहीं से ये नक्शे दुनिया भर में फैल रहे हैं। यह एक ऐसा मोरचा है, जहां चीन को व्यापार के स्तर पर ही मात देनी होगी। भारत के गलत नक्शों को रोकने की लड़ाई हमें कई स्तरों पर लड़नी होगी। इस शुरुआत को बहुत आगे ले जाने की जरूरत है।

स्वतंत्र चेतना

इस धरा की जन्मी चेतना
जहां मानवता स्वतंत्र है
नये युग का उदघोष है
जीवन चरन का मंत्र है
पल - पल चलती आंधियां
मन की माया का षड्यंत्र है
एक ज्योति पुंज में बहता तेज
सागर सा फैल रहा
सर्वत्र है
जीवन के घूंट पीता काल
मोह में जकड़ा भूखंड तंत्र है
विलुप्त योनियां समेटे ब्रह्मांड
का वो रास्ता मोक्ष का यंत्र है

स्वामी दास
नई दिल्ली

बस इतनी तमन्ना है

तमन्ना है तेरे पहलु में सदा रहूं मैं, तु हो हीर मेरी तेरा रांझा बनूं मैं,
कभी बनूं मैं तेरे माथे की बिंदिया , कभी बन के बाली कानों को चूमा करूं मैं,
पी जाए जिसे तु तमन्ना है मैं वो आंसू बनूं ।
बन के नथनी नासिका की लबों को छुआ करूं मैं ,
बनूं कभी पान मीठा,
तेरे रस में रम जाया करूं मैं, तुम पियो जिसे प्यार से लेते हुए चुस्कियां,
वो शरबत मीठा बना करूं मैं।
बन के तेरे गले का हार सीने पे झूला करूं मैं, बस इतनी इज़ाजत दे दो,
कंगन तेरे हाथ का बनूं मैं , बन के आंचल तेरा तुझसे लिपटा करूं मैं,
बन के नगीना तेरी मुद्रिका का तेरी अंगुली में सजा करूं मैं,
तेरे बालों का गजरा बनूं गेसुओं में सजा करूं मैं , मोहब्बत है इतनी तुमसे मुझे ,
ना बन सकूं कुछ तो ,तेरी पायल का घुंघरू बनूं मैं , लगे जब - जब कदम तुम ज़मीं पर ,
संग पायल के झनकार करूं मैं ,
बस चाहत इतनी सी कि तुझे छुआ करूं मैं ।

नहीं मंजूर तुझे ग़र इतनी अर्ज़ मान लो , बन जाऊं बिछावन ,चांदनी रातों में तेरे
लिए बिछा करूं मैं , बन के ओस की बूंद कभी सुर्ख गालों पे ढलकूं ,
कभी कस्तुरी से तेरी खेला करूं ।
चाहत इतनी सी बेइंतहा तुझसे मोहब्बत करूं मैं ।
हां बस यही तमन्ना सिर्फ तुमसे ही तुमसे मोहब्बत करूं मैं।

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

पेड़ माँ समान फिर क्यों नहीं देते सम्मान

निक्की शर्मा रश्मि

जीवन सुंदर है, प्रकृति का दिया सबसे सुंदर उपहारों में से एक। प्रकृति के दिए तमाम पेड़, पौधे हमें जीवन देते हैं। पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों की महिमा अपार है। पेड़-पौधे एवं मानव, संस्कृति की रक्षा के लिए ही अनुकूल रूप से प्रकृति ने हमें यहअनमोल उपहार दिया है। वृक्षों से हम हैं और हम से वृक्ष। अगर हम इनकी देखभाल ना करें तो हम खुद सुरक्षित नहीं होंगे। आज पेड़ पौधे के महत्व को लोग अपने दैनिक जीवन में भूलते जा रहे हैं। आज बीमारियों से जूझ रहे लोग अब ऑक्सीजन के महत्व को शायद ज्यादा समझ रहे। प्रकृति ने पीपल, नीम, तुलसी जैसे अमुल्य धरोहर को धरा पर दिया था हमारे संरक्षण के लिए लेकिन इस अनमोल पेड़ों पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। आज पीपल नीम तुलसी अभियान चलाकर डॉ धर्मेंद्र कुमार इस पर बहुत ही तेजी से काम कर रहे हैं। डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान को लेकर जुड़े हैं। डॉ धर्मेंद्र कुमार बिहार के रहने वाले हैं और पीपल, नीम, तुलसी के महत्व को बताते और समझाते हुए हम सब को इससे जुड़ने की उनकी अपील काबिले तारीफ है। पर्यावरण प्रदूषण के वजह से ऑक्सीजन बैंक का निर्माण कर रहे हैं। इस अभियान में उन्होंने पर्यावरण योद्धा भी तैयार किया है। लखनऊ, राजस्थान, तमिलनाडु आदि राज्यों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेपाल में भी उन्होंने पर्यावरण योद्धा तैयार कर अपने काम को अंजाम दिया है। पर्यावरण की सुरक्षा हमारी सुरक्षा है। पीपल, नीम, तुलसी लगाने से पर्यावरण के साथ-साथ हम भी सुरक्षित रहेंगे। अपने आसपास पीपल, नीम, तुलसी के पौधे लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने में आप भी सहायता कर सकते हैं। फायदा तो आपको ही मिलेगा पौधे हम लगाएंगे तो ऑक्सीजन भी हम ही तो पाएंगे। खुद भी पौधे लगाएं और दूसरे को प्रेरित भी करें। पीपल की महिमा अगर आप जान ले तो शायद अचंभित रह जाएंगे। प्रत्येक पौधे एवं पेड़ ने अपने-अपने अनुकूलन में जीव जंतुओं समेत मानव संस्कृति की रक्षा का बोझ ढोया है। जिसका एहसान कभी भी चुकाया नहीं जा सकता है। वृक्षों का गुणगान करें तो पीपल के बारे में जानकर दंग रह जाएंगे। सामान्य जीवन से ऊपर पीपल वृक्ष के संबंध में आप यह जान लें कि वह व्यक्ति सौभाग्यशाली है जो आज भी पीपल वृक्ष के प्रति सजग है, जागरूक है। पीपल वृक्ष लगाना उतना महत्वपूर्ण नहीं जितना इस विषय में जानना आपको प्रेरित करेगा प्रेरणा मिलेगी आपको खुद ब खुद पीपल पेड़ लगाना शुरू कर देंगे। पीपल वृक्ष हमारे भीतर भी उपलब्ध है उसका बीज हमारे भीतर है वह अवश्य ही बाहर आएगा यह तभी विकसित होगा जब हम और आप इस वृक्ष के नीचे पहुंच जाएं। एक बार अपनी सकारात्मक ऊर्जा के साथ उससे लिपट कर देखे आपको एक अलग अनुभूति प्राप्त होगी और आप खुद ब खुद अंकुरित होने लगेंगे। आप में पीपल वृक्ष के प्रति एक सम्मान पैदा होने लगेगा और आप को उसके करीब ले जाएगा।पीपल के सत्य की तरफ आप खीचते चले जाएंगे और इनसे निकटता बढ़ती ही जाएगी। पीपल वृक्ष के प्रति मानव चेतना ,प्यास बढ़ती जाएगी। जितना आप इसके करीब आएंगे उतना ही आपकी प्यास बढ़ती जाएगी। पीपल का संरक्षण करें पीपल वृक्ष ऊर्जा का स्रोत है उस उर्जा का अनुभव करें। इसका चिंतन आप करेंगे तो पीपल वृक्ष से निकटता बढ़ाएं और यह आप से निकटता बढ़ाएगी। पीपल वृक्ष विभिन्न नाम से जाने जाते हैं बोधि वृक्ष, बोधिद्रुम, राजतूल, पीपल, वृक्षराज, सौरवृक्ष, चल- पत्र आदि।पीपल वृक्ष के विभिन्न नामों में बोधिद्रुम का अर्थ बुद्धि प्रदान करने वाला वृक्ष है। शाक्यमुनि गौतम को पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था इसलिए इनका नाम महात्मा बुद्ध के नाम पर इस पेड़ का नाम बोधधिद्रुम है। इसी तरह इस वृक्ष का नाम पीपल अर्थात जिनके पत्ते,छाल,जड़ आदि का मिलाकर काढ़ा पिया जाता है।यह पेय योग्य है इसलिए इसका नाम पीपल है।चल पत्र नाम भी है इसका अर्थ है कि इस पेड़ का पत्ता हमेशा हिलता रहता है। इसका नाम सौरवृक्ष इसलिए है कि सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में होने वाले प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को इस वृक्ष में स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है जो प्राणवायु का स्रोत है। पीपल वृक्ष के पत्ते की आकृति अगर आप देखेंगे तो हृदय की आकृति जैसी है। पत्ते के दर्शन करने मात्र से हृदय में तरंगे होने लगती है। पत्ते का हिलना मन को शांति, आनंद प्रदान करता है। पीपल के पत्ते के औषधीय गुण की चर्चा अगर करें तो सिद्ध व्यवहारिक तथ्य सामने आएगा इसके एक मुलायम पत्ते को खाली पेट रोज खाएं तो हृदय रोग से राहत, अपच, भूख की कमी,कब्ज जैसी बीमारी में बिना पैसे के आप अपने समेत कई लोगों को लाभान्वित कर सकते हैं। पीपल पेड़ की महिमा अपार है। पीपल के पत्ते का शिरा जाल बुनता स्पष्ट है। आजकल नववर्ष की शुभकामनाएं, वैवाहिक उत्सव आदि में पीपल का तोरण और पीपल देवता की आकृति चिपकाकर शुभकामना पत्र बाजार में उपलब्ध है।अतः यह स्पष्ट है और स्वीकार करने की बात है कि दिल से दिल मिलाने का माध्यम पीपल का पत्ता है। पीपल के पत्ते की तुलना मन से जा सकती है जिस तरह पीपल हिलता डुलत रहता है उसी तरह मन भी आगे पीछे चलता रहता है। जो अनुभव ऊर्जा मिलती है अनुभव प्राप्त होती है उसे आप महसूस करें और अपनी भावना को जागृत करें। पीपल वृक्ष को बोधि वृक्ष के नाम से जाना जाना भी एक घटना है। आनंद की,शांति की, प्रेरणा की,चिन्तन की घटना है जो साबित करती है स्थिर मन सकारात्मक सोच से सब सभंव है। जिसे सालों से लोग सुन और देख रहे हैं।पीपल इस संसार के लिए ममतामई मां के समान है जो बालक की रक्षा करने में लगी रहती है। जिस प्रकार माँ बच्चों को संभालने के लिए चाहिए उसी तरह प्रकृति के इस प्रदूषण से बचने के लिए पीपल की जरूरत है।शुद्ध हवा, छायादार वृक्ष होने की खासियत के साथ पीपल हमारे जीवन की रक्षा कवच है। पीपल के प्रभाव से शरीर विचारों में परिवर्तन होता है। जीवन में शांति और आनंद की प्राप्ति होती है। पीपल केंद्र बिंदु है जीवन का। शरीर की शुद्धि का होना जरूरी है उसी तरह विचार और भाव की शुद्धि आवश्यक है। पीपल से प्रेम होना, संबंध होना करीब होने के साथ-साथ विचार में तरंग शुद्ध होती है। जो आपको इसे गहरा लगाव पैदा करती है। सत्यम शिवम सुंदरम यानी सत्य शिव सुंदर यह तीनों का मिश्रण है।पीपल वृक्ष इन तीनों में एक भी भाव मन के अंदर पीपल वृक्ष के लिए जागृत हो जाते हैं तो जीवन को साकार करते हैं। पर्यावरण को एक विचारधारा में ले जाते हैं। प्रकृति कभी भी अशुभ विचार नहीं देती। प्रकृति ने पीपल वृक्ष दिया कुछ तो कारण होगा पीपल वृक्ष की हरियाली भरे पत्तों के बारे में गहराई से सोचें। आज हर गांव ,शहर में पीपल कम देखने को मिलते हैं जबकि सकारात्मक ऊर्जा पीपल के पेड़ से उत्पन्न होती है इसलिए पीपल के पेड़ लगाएं और उर्जा को पाएं।शरीर शुद्ध, शुद्ध विचार, शुद्धि तथा भाव की शुद्धि में विकसित करती है मात्र सानिध्य से।पीपल के साथ नीम तुलसी जैसे पेड़ लगाएं जीवन सुंदर बनाएं।

हिन्दी का सम्मान तो हमारा सम्मान

दुनिया भर में हिंदी अकेली बड़ी भाषा है जिसकी सेवा अधिक हो रही है और प्रयोग कम. हिंदी न हुई, मरती हुई गाय है जिसकी सेवा करने के लिए लोग गौशाला में जुट गए हैं और गली-गली चंदा माँग रहे हैं। जिसने भी हिंदी की सेवा की बात की वो मेरी नज़रों से गिर गया। मैं हिंदी में काम करता हूँ, अधिक से अधिक करना चाहता हूँ, शायद हिंदी मेरे रग रग में विद्यमान है। मेरा मानना है कि बहुत सारे लोगों के मन की भाषा हिंदी है लेकिन उसके प्रयोग की ज़रूरत है, उसकी सेवा की नहीं. सेवा की बात वही कर रहे हैं जिनकी नज़र हिंदी पर नहीं, मेवा पर है। न्यूयॉर्क कुछ गए, कुछ नहीं गए, ज़्यादातर बुलाए नहीं गए लेकिन सेवा सब एक-दूसरे से अधिक कर रहे हैं. आगे भी करेंगे जिसने भी कहा वह हिंदी की सेवा कर रहा है, साफ़ समझ लीजिए कि उसे हिंदी नहीं आती, अंग्रेज़ी तो क़तई नहीं आती और उसका इरादा भी दोनों में से किसी भाषा को सीखने या तमीज़ से बरतने का नहीं है। हिंदी की सेवा सत्यनारायण कथा की तरह है जिसमें सत्यनारायण की कथा के अलावा सब कुछ है, उसका महात्म्य है लेकिन कथा नहीं है. महात्म्य है तथाकथित पंडितों, आलोचकों, विद्वानों, साहित्यकारों का. जिसकी वजह से मैंने हिंदी में पहली बार ईमेल लिखा उसका क्या, जिसकी वजह से मैं हिंदी में ब्लॉग लिख रहा हूँ, पढ़ रहा हूँ उसका क्या...जिनकी वजह से हिंदी में टीवी के चैनल और वेबसाइटें चल रही हैं उनका क्या... उन्हें परवाह भी नहीं है. वे अपना काम कर रहे हैं, पैसे कमा रहे हैं, बाज़ार पर उनकी नज़र है, उन्हें सरकारी ख़र्चे पर न्यूयॉर्क जाने की नहीं पड़ी है। मैं हिंदीवाला हूँ और उसे आसान बनाने वालों का आभारी. मैं हिंदी में काम करता हूँ क्योंकि वह मेरी अपनी भाषा है और मुझे खूब अच्छी तरह आती है, मुझे अँगरेज़ी भी ठीक-ठाक आती है लेकिन वह मेरे मन की भाषा नहीं है, वह ज़रूरत की भाषा है इसलिए पर्याप्त ज्ञान के बावजूद उसमें लय नहीं है, लचक नहीं है, धार नहीं है। अँगरेज़ी में अगर मैं वही असर पैदा कर सकता जो हिंदी में कर लेता हूँ तो मैं बेवक़ूफ़ नहीं हूँ जो हिंदी में लिखता, मैं कोई हिंदी सेवक नहीं हूँ. हिंदी मेरे व्यक्तित्व का हिस्सा है, मैं हिंदी में सोचता हूँ इसलिए हिंदी में ही अपने आपको बेहतर व्यक्त कर सकता हूँ, बाक़ी सब अनुवाद है। हर सरकारी दफ़्तर में मौजूद राजभाषा अधिकारी का काम ही है हिंदी को ऐसा बना देना ताकि अँगरेज़ी में काम करते रहने को जायज़ ठहराया जा सके. आपने कभी सोचा है कि आपको ब्लॉग लिखने में, हिंदी में पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ने में कोई दिक्क़त नहीं होती तो सरकारी काम करने वालों को क्यों समस्या आती है. सिर्फ़ इसलिए कि हिंदी में काम नहीं हो रहा है, उसकी सेवा हो रही है। हिंदी का भला किसी के किए हो सकता है इससे ज़्यादा दंभ और मूर्खता की बात कोई और नहीं हो सकती. हिंदी का भला भी उसी तरह होगा जिस तरह अँगरेज़ी, स्पैनिश या किसी और बड़ी भाषा का हुआ है. सेवा करके नहीं बल्कि उसे बोलने-लिखने-पढ़ने की वजहें पैदा करके. इतना बड़ा सम्मेलन हो रहा है, किसी महान हिंदी सेवी की समझ में मामूली बात नहीं अँट रही कि हिंदी के बिना भारत में हर कॉर्पोरेट हाउस का काम चल रहा है जो चीन में नहीं चलता. भारत में हिंदी के बिना शान से काम चलता है और हिंदी वाले शर्मसार हैं, कल्पना कीजिए कि भारत जैसे बड़े बाज़ार में पैठ बनाने के लिए हिंदी आवश्यक होती तो स्थिति क्या होती। भारत में जितनी हिंदी बची है वही बचा हुआ भारत है, बाक़ी इंडिया है. इंडिया में हिंदी के बिना मज़े में काम चलता है बल्कि वहाँ हिंदी डाउनमार्केट है, सिर्फ़ ड्राइवर, चपरासी, सब्ज़ीवाले और नौकरों से बोली जाने वाली भाषा है जो भारत से आते हैं. महानगरों में वही लोग हिंदी वाले हैं जिनके संस्कार क़स्बाई हैं, जो पैदाइशी या दूसरी पीढ़ी के शहरी हैं उनके लिए हिंदी एक गंवारू, डिफ़िकल्ट या यूज़लेस भाषा है, कम से कम ऐसी भाषा तो नहीं है जिसमें लिखा जाए और पढ़ा जाए, ठीक है टीवी पर चल सकता है। हिंदी का जो भी प्रचार-प्रसार हुआ है वह किसी हिंदी सेवक की कृपा या साधना से नहीं हुआ है, वह हुआ है सिर्फ़ बाज़ार की ताक़त की वजह से. मुंबई का सिनेमा हो या देश का हिंदी टीवी उसने हिंदी का प्रसार किया. 14 सितंबर को हिंदी का श्राद्ध करने वालों या न्यूयॉर्क में हिंदी का जश्न मनाने वालों से न पहले कभी हुआ है, न आगे कभी होगा. हिंदी चैनलों की भाषा बहस का मुद्दा हो सकती है, हिंदी सेवकों की भूमिका पर वक़्त ज़ाया करने का कोई तुक नहीं है। सीधी सी बात है जिसे मानने में लोग बहुत देर लगा रहे हैं, जब तक हिंदी जानने, बोलने और लिखने की वजह से लोगों का जीवन बेहतर नहीं होगा तब हिंदी का यही हाल रहेगा. हिंदीवाला समृद्ध होगा तो हिंदी प्रतिष्ठित होगी।

प्रफुल्ल सिंह बेचैन कलम
शोध प्रशिक्षक एवं साहित्यकार

क्या रिश्तों की भी मांग होती है ?

बिलकुल होती है रिश्तों में अपनापन बनाएं रखने के लिए प्यार, परवाह, सौहार्द भाव और समय का खाद देना पड़ता है फिर रिश्ता चाहे कोई भी हो। सबसे पहली मांग संवाद का सेतु अपनों के दिल तक पहुँचने का सीधा रास्ता है। मौन रिश्ते जल्दी दम तोड़ जाते है। तो दिन भर चाहे कितने भी व्यस्त रहें चंद पल चुराकर अपनों से बतिया लीजिए रिश्तों में नमी बनी रहेगी। अगर कोई रिश्तेदार दूर है तो सप्ताह में एक बार फोन करके हालचाल पूछना रिश्ते में अपनेपन को जीवित रखेगा। हो सके तो नज़दीकी अपनों के जन्मदिन शादी की सालगिरह और कोई भी खास दिवस मोबाइल के कैलेंडर में सहज लें और रिमाइन्डर सेट करके उस खास दिन पर अभिनंदन देकर अपनापन जताईये रिश्ते में नये फूल खिल उठेंगे।

रिश्तों में एक खास रिश्ता है पति-पत्नी का। खासकर पति पत्नी के रिश्ते में हल्की भी दरार ना पड़ने दें सिलन पनपते देर नहीं लगती। इस रिश्ते को संजोने की शुरुआत सुबह से ही करें। सुबह-सुबह बाल्कनी में बैठ हल्के चुटकुले संग चाय के टेबल पर आधा धंटा साथ-साथ बिताते जीवन सफ़र की चर्चा कर लो।

खाने के टेबल पर प्यार से एक दूसरे को रोज एक कौर खिलाओ।

छुट्टीयों के दिन दोपहर को सोफ़े पर हाथ में हाथ लिये हल्की फूल्की मूवी देखना, या सुहानी किसी शाम में दरिया के तट पर कदम मिलाकर चलना, कभी एक दूसरे को हल्के हाथों मालिश कर बालों में तेल लगाना, एक दूसरे के काम की, या व्यक्तित्व की तारिफ़ करना, बाथटब में आमने-सामने बैठ प्यार जताते बातें करना, या बिना कोई खास दिन के तोहफ़ा या सरप्राइझ देना। एसी कई प्रवृत्तियां है जो पति पत्नी को ताउम्र नजदीकीयों से बाँधे रखती है। बस यही तो ज़िन्दगी की असली खुशी है, ये छोटे-छोटे लम्हें जी लें तो रोज ही हनीमून है। रिश्तों की मांग पूरी करके देखिये प्यार कभी कम या ज्यादा नहीं होता प्यार को जताना पड़ता है, एक दूसरे को हमारी ज़िंदगी में खास महेत्व महसूस करवा कर भरपूर ज़िन्दगी का मज़ा ले सकते है॥

(भावना ठाकर, बेंगुलूरु)भावु

सीरवी समाज के निर्धन अहसाय बच्चों को दी छात्रवृति

नारायणलाल सेणचा

पाली–परगना समिति जैतारण /रायपुर तहसील के 7 गांवों में 25 अक्टूबर को राष्ट्रीय सीरवी किसान सेवा समिति की ओर सीरवी समाज के निर्धन व अहसाय बच्चों छात्रवृत्ति के रूप में किट वितरण किया गया। जो अपने समाज मे ऐसे परिवार शिक्षा से वंचित ना हो।किट वितरण में *एक बैग एक बोतल 10 बॉल पेन, पेन्सिल व 6 नॉट बुक ओर 1 जोमेट्री बॉक्स,साथ ही यूनिफॉर्म के लिए,500 ?रोकड़ा* प्रदान किया गया। जैतारण परगना व रायपुर परगना के कुछ गांवों में माताजी के बढेर ओर कुछ परिवारों को घर पर जाकर किट दिया गया।जिन बढेर जगहों पर दिया गया वँहा समाज के गणमान्य लोगों के हाथों व समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दुर्गाराम जी पंवार ,श्री जगदीश जी समिति संचालक ,श्री आईजी स्कूल प्रधानाध्यापक व समिति शिक्षा मंत्री श्री माधव सिंहजी चोयल बिलाड़ा ह्यद्रह्यअकाडमी ,जैतारण मीडिया प्रभारी सुश्री मंजू सीरवी ओर गणमान्य कुशालपुरा के सरपंच श्री अशोक जी,श्री आईजी विद्यायल स्कूल स्ध्र कुशालपुरा मदनजी सीरवी ओर भी गणमान्य लोगों की उपस्थिति में हर जगहों पर दिया गया।।कुशालपुरा सरपंच ने कहा राष्ट्रीय सीरवी किसान सेवा समिति की कार्यशैली से बहुत ही प्रभावित हुआ हूं, मेरी ओर से भी कुछ ही दिनों में सहयोग के लिए जरूर दान राशि देउँगा ओर कहा मेरे गांव में ऐसे परिवारों के लिए में हमेशा खड़ा रहूंगा ओर राज्य सरकार व केंद्र सरकार से जो भी अहसाय परिवारों के लिए योजना आयेगी उसका जरूर लाभ पहुंचाने का प्रयास करूंगा।हमेशा समिति के साथ खड़ा रहकर सामाजिक स्तर पर अच्छे कार्य मे सहभागिता निभाउंगा।व श्री आईजी स्कूल के स्ध्र श्री मदनजी ने भी कहा कि मेरे विधालय की ओर से ऐसे परिवारों को जितना हो सके निशुल्क पढ़ाने का प्रयास करूंगा हमेशा साथ खड़ा रहूंगा समिति के लिए। समिति अध्यक्ष, संचालक व शिक्षा मंत्री ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया। सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा ग्रहण करने को कहा।।

अफजल गुरु के जीवन पर आधारित फिल्म में दीपिका चिखलिया का लीड रोल

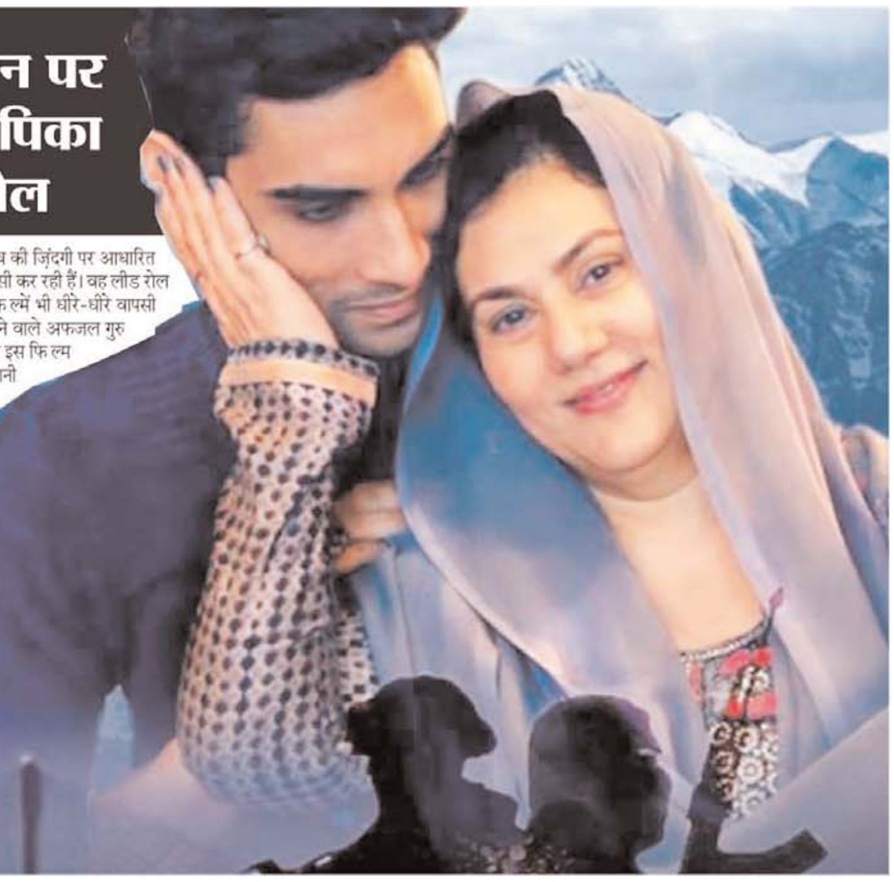

फिल्म पार्लियामेंट पर अटैक करने वाले अफज़ल गुरु और उसके बेटे गालिब की ज़िंदगी पर आधारित है। फि ल्म के साथ रामायण की सीता यानी दीपिका चिखलिया भी पर्दे पर वापसी कर रही हैं। वह लीड रोल में नजर आएंगीं। लॉकडाउन के बाद अब थिएटर्स खुलने वाले हैं। ऐसे में फि ल्में भी धीरे-धीरे वापसी कर रही हैं। एक ऐसी ही फि ल्म है गालिब, जोकि पार्लियामेंट पर अटैक करने वाले अफजल गुरु और उसके बेटे गालिब की ज़िंदगी पर आधारित है। अफजल गुरु के अलावा इस फि ल्म में आकर्षण का एक विषय और भी है। फि ल्म के साथ रामायण की सीता यानी दीपिका चिखलिया भी पर्दे पर वापसी कर रही हैं। वह लीड रोल में नजर आएंगीं। गालिब नाम की इस फि ल्म का ट्रेलर गुरुवार यानी 29 अक्टूबर को जारी कर दिया गया। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे एक बच्चा कश्मीर के हालातों में खुद बचाने का प्रयास करता है। उसको लोग भड़काते हैं। हालांकि, उसके पिता कह जाते हैं वह उस रास्ते पर ना जाए, जिस पर उसके पिता गए थे। उसी मां भी इसके लिए लगातार लड़ती दिखती हैं। फि ल्में ट्रेलर में कश्मीर और भारत में उसकी स्थिति को लेकर कहानी कहने कोशिश दिख रही है। फि ल्म की शूटिंग भादेरवाह में की गई है, जिसे छोटा कश्मीर के नाम से जाना जाता है। इसकी छलक भी फि ल्म के ट्रेलर में दिखने को मिलता है। हालांकि, इसका फोस्टर अगस्त में ही जारी किया गया था। फि ल्म को भी अगस्त में ही रिलीज किया जाना था। लेकिन कोरोना वायरस की वजह से थिएटर्स नहीं खुले। अब जब वापस थिएटर्स खुल गए हैं, तो इसे रिलीज किया जाना है। इसके लिए 11 दिसंबर की तारीख चुनी गई है। स्टार कास्ट की बात करें, तो दीपिका चिखलिया गालिब की मां का किरदार निभा रही हैं। इस किरदार का नाम शबाना है। वहीं, निखिल पिटाले अफजल गुरु के बेटे गालिब का किरदार निभा रहे हैं। फि ल्म सच्ची घटना पर भले ही आधारित है, लेकिन किरदारों के नाम बदल दिए गए हैं। फि ल्म को मनोज गिरी ने निर्देशित किया है। कहानी को पर्दे पर उतारने का काम धीरज मिश्रा और यशोमती देवी ने किया है। वहीं, धनश्याम इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं।

काजल अग्रवाल के हाथ में रची पिया के नाम की मेहंदी, आज होगी शादी

बॉलीवुड में शादियों का सीजन लौट आया है। हाल ही में सिंगर नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह धूमधाम के साथ शादी के बंधन में बंधे। वहीं अब हिन्दी और साउथ फिल्मों की पॉपुलर अभिनेत्री काजल अग्रवाल अपनी शादी को लेकर चर्चा में छाई हुई हैं। काजल अग्रवाल अपने बिजनेसमैन बॉयफ्रेंड गौतम कीचलू के साथ 30 अक्टूबर को शादी के बंधन में बंधने वाली है। शादी से एक दिन पहले 29 अक्टूबर यानि आज हल्दी और मेहंदी की रस्में निभाई जा रही है। काजल अग्रवाल के हाथों में पिया के नाम की मेहंदी लग गई है। अपने हाथों में लगी मेहंदी की पहली तस्वीर खुद काजल ने सोशल मीडिया पर शेयर की है। इस तस्वीर में काजल अपने मेंहदी लगे हाथ दिखा रहा है। मेहंदी की रस्म में काजल ने अपने लुक को बेहद सिंपल रखा है। उन्होंने लाइट ग्रीन कलर का सूट पहना है, गले में दुपट्टा है, बालों को चोटी में बांधा है, तो कानों में बड़े-बड़े स्टेटमेंट इयररिंग्स पहने हुए हैं। अपने इस सिंपल-सोबर लुक में भी काजल बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। सभी का ध्यान खींच रही है उनकी मिलियन डॉलर स्माईल।

गौरतलब है कि कोविड-19 महामारी को देखते हुए काजल ने अपनी शादी को कम धूम-धाम वाला ही रखा है। हांलाकि वह अपनी शादी और उससे जुड़े तमाम फंक्शनस को स्पेशल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। इससे एक रात पहले काजल ने अपनी बहन और भतीजे के साथ घर में ही पाजमा पार्टी भी सेलीब्रेट की थी। इसकी कुछ तस्वीरें भी काजल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी। काजल ने दशहरा के मौके पर काजल ने गौतम के साथ पहली तस्वीरें भी शेयर की थी। और फैंस को अपने होने वाले जीवनसाथी से मिलवाया था। काजल ने अपनी डायमंड इंग्जेमेंट रिंग की झलक भी फैंस को दिखा चुकी हैं। काजल और गौतम एक दूसरे को बीते दो साल से डेट कर रहे हैं। काजल की शादी के उत्सव समारोह के लिए मुंबई के चर्चगेट इलाके में एक पांच सितारा होटल की बुकिंग की गयी है। काजल ने कुछ दिन पहले बैचलर पार्टी भी की थी। कोरोना की वजह से उन्होंने अपने घर पर ये पार्टी दोस्तों के साथ की थी। काजल उस दौरान ब्लैक आउटफिट में नजर आईं थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपने बैचलर पार्टी की तस्वीरें शेयर की थी। काजल ने साल 2004 में फिल्म क्यों हो गया ना से बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म में काजल ने ऐश्वर्या की बहन का किरदार निभाया था। इस फिल्म के बाद काजल ने साउथ का रुख कर लिया था। काजल साउथ इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। काजल ने तमिल भाषा की फिल्में भी की है।काजल की बड़ी फैन फॉलोइंग है। साल 2011 में काजल ने रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनी फिल्म सिंघम से बॉलीवुड में फिर से वापसी की। अजय देवगन के साथ काजल की जोड़ी को काफी पसंद किया गया। साल 2013 में काजल अक्षय कुमार के साथ स्पेशल 26 में नजर आई। खबर है संजय गुप्ता की मुंबई सागा में काजल फीमेल लीड रोल में नजर आएंगी।

गोवा में गंदगी फैलाने के आरोप में धर्मा प्रोडक्शन को भेजा जाएगा नोटिस

फिल्म निर्देशक करण जौहर इन दिनों एक बाद एक मुसीबत में फंसते जा रहे हैं। गोवा के एक गांव में गंदगी फैलाने के आरोप में उन्हें अब नोटिस भेजा जाएगा। ये बयान गोवा वेस्ट मैनेजमेंट मंत्री माइकल लोबो ने दिया है। फिल्म निर्देशक करण जौहर इन दिनों एक बाद एक मुसीबत में फंसते जा रहे हैं। पहले सुशांत सिंह राजपूत की डेथ के बाद उन्हें नेपोटिज्म ने नाम पर जमकर ट्रोल किया गया। लोगों ने करण को खिलाफ जमकर अपना गुस्सा जाहिर किया, उसके बाद उन्हें उनकी एक पार्टी में ड्रग्स इस्तेमाल करने का आरोप लगाते

हुए घेरा गया, हालांकि करण की उस पार्टी को अब चिट मिल चुकी है। लेकिन करण जौहर अब और मुसीबत में फंस गए हैं। दरअसल, हाल ही में करण जौहर की कंपनी धर्मा प्रोडक्शन्स को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में ये दावा किया जा रहा है कि उन्होंने गोवा के एक गांव में दीपिका पादुकोण के साथ किसी प्रोजेक्ट पर शूटिंग खत्म करने के बाद वहां गंदगी छोड़ दी। वीडियो में गंदगी का अंबार भी साफ नजर आ रहा है। इस मामले पर गोवा वेस्ट मैनेजमेंट मंत्री माइकल लोबो का बयान सामने आया है। लोबो ने प्रोडक्शन हाउस द्वारा ऐसा काम किए जाने की निंदा की है साथ ही कहा है कि अब करण जौहर को इसके लिए नोटिस भेजा जाएगा। साथ ही उनपर जुमार्ना भी लगाया जाएगा। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए लोबो ने कहा, गोवा वेस्ट मैनेजमेंट ऑफिस की तरफ से धर्मा प्रोडक्शन को नोटिस भेजा जाएगा। गोवा एक खूबसूरत राज्य है। लोग यहां फिल्मों की शूटिंग करने आते हैं। सभी का यहां स्वागत है, आइए और शूट कीजिए, लेकिन अपना कचरा यहां फेंककर मत जाइए। उन्होंने इस मामले में अब तक माफी भी नहीं मांगी की है। अब उनपर जो भी जुमार्ना लगाया जाएगा उन्हें उसका भुगतान करना होगा। उनपर कम से कम या ज्यादा से ज्याद कैसा भी जुमार्ना लगाया जाएगा। आपको बता दें कि इस मामले को लेकर फिल्म अभिनेत्री कंगना भी करण जौहर पर निशाना साध चुकी हैं।

मौनी रॉय की हुई सगाई, रिंग फिंगर ने चमकती अंगूठी दिखा रही हैं

बॉलीवुड और टीवी एक्ट्रेस मौनी रॉय एक जाना माना नाम है। मौनी अपने सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में मौनी के एक पोस्ट से फैन्स सरप्राइज हो गए हैं। मौनी ने हाथ में हीरे की अंगूठी के साथ जैसे ही तस्वीर शेयर की वैसे ही फैन्स कयास लगाने लगे कि उन्होंने गुप चुप सगाई कर ली है। मौनी के सोशल मीडिया पर फैन्स ने कमेंट्स की बाढ़ ही ला दी। लेकिन मौनी के तस्वीर के पीछे सच कुछ और ही था। दरअसल मौनी ने जब हाथ में रिंग पहने तस्वीर पोस्ट की तो फैन्स अंदाजा लगाने लगे कि ये उनकी रिंग इंगेजमेंट रिंग है। कई फैंस ने मौनी से उनकी सगाई को लेकर सवाल भी कर दिए। लेकिन मौनी का ये पोस्ट एक ब्रैंड को प्रमोट करने के लिए की थी। और ये ब्रैंड इंगेजमेंट रिंग्स बनाने के लिए जाना जाता है। मौनी ने पोस्ट को शेयर करते हुए इस ब्रांड को प्रमोट किया। हालांकि काफी समय से मौनी का नाम उनकी आगामी फिल्म ब्रह्मास्त्र के डायरेक्टर अयान मुखर्जी के साथ जुड़ रहा है। बताते चलें कि मौनी की फिल्म लंदन कॉन्फिडेंसियल स्ट्रीम हुई है। फिल्म की रिलीज के बाद वो मॉलदीव चली गई थी। मौनी मालदीव से भी अक्सर हॉट तस्वीरें करती नजर आती थीं। वर्कफ्रंट की बात करें तो मौनी रॉय फिल्म ब्रहास्त्र को लेकर चर्चा बटोर रही हैं। इसमें उनके साथ अमिताभ बच्चन ,रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में हैं।

अविका गोर ने 13 किलो वजन कम किया

टीवी सीरियल बालिका वधू से फेमस हुई आनंदी यानी एक्ट्रेस अविका गोर इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अपनी हॉट तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर खूब शेयर करती रहती हैं। हाल में ही अविका ने इंस्टाग्राम में कुछ तस्वीरें शेर की। जिसमें उन्हें पहचान पाना मुश्किल है। ये फोटो शेयर कर एक्ट्रेस ने अपनी पर्सनल लाइफ में अपने वजन घटाने की पूरी कहानी सुनाई है। आविका ने बताया है कि उन्होंने अपना 13 किलो वजन कम किया है, लेकिन इसके पीछे स्ट्रेस की कहानी उन्होंने कही है।

उन्होंने बताया कि पिछले साल से वो अपने वजन से परेशान थीं। यह कहानी खुद इंस्टाग्राम पर लिखते हुए कहा, मुझे याद है, करीब साल भर पहले एक रात मैं खुद को आईने में देखकर रो पड़ी। मैं जैसी भी दिख रही थी, मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। अविका ने कहा, मोटी बांह, पैर, और थुलथुल पेट। मैंने काफी नजर अंदाज कर दिया था। यह मेरी किसी बीमारी आदि से हुआ होता तो चलता, क्योंकि तब यह मेरे कंट्रोल से बाहर की बात होती, लेकिन ऐसा इसलिए था क्योंकि मैं कभी भी और कुछ भी खाती थी। अविका ने बताया, खाती तो थी ही, साथ ही मैं कभी वर्कआउट भी नहीं करती थी। हमारे शरीर को अच्छी देखभाल की जरूरत होती है, लेकिन मैंने कभी इसकी कद्र नहीं की। नतीजा ये हुआ कि जैसी मैं दिखने लगी वह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। यहां तक कि मैं डांस वगैरह भी बिल्कुल इंजॉय नहीं करती थी।

अविका ने ये बातें बताते हुए यह भी कहा कि मैं खुद को ही जज करने में लगी रहती और खुद में बुरा फील करती रहती। उन्होंने बताया कि बाहर वालों के कुछ कहने के लिए वह मौका ही नहीं छोड़ती थीं। एक्ट्रेस ने कहा, हर वक्त दिमाग में इनसिक्यॉरिटी चलता रहता और ऐसी बातें हमें थकाऊ और इरीटेट करती हैं। इन्ही वजहों से कई बार वह अपने चाहने वालों पर भी भड़क जातीं। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब अविका ने अपने लिए इन सबसे बाहर निकलने का फैसला लिया। कुछ भी रातों रात नहीं बदला। अविका ने सही चीजों पर फोकस करना शुरू किया। उन्होंने बताया कि ये ऐसी चीजें थीं जिसे लेकर उन्हें गर्व हो, जैसे कि डांस करना। इसके साथ ही अविका ने खाने-पीने की चीजों पर ध्यान देने लगीं और उनकी कोशिश रहती कि वह सही चीज ही खाएं। अविका ने कहा, मैं सही खानपान की कोशिश में रहती और वर्कआउट भी शुरू किया। इस राह में कई रुकावट भी आई, लेकिन यह जरूरी था कि मैं रुकूं नहीं। मेरे अपने मुझे लगातार गाइड करने में लगे थे।

उन्होंने बताया, मैंने आज सुबह खुद को अब मिरर में देखा, मुझे नजरें फेरने की जरूरत महसूस नहीं हुई। मैंने खुद को देखकर स्माइल दी और कहा मैं खूबसूरत हूं।... और आप जो भी इसे पढ़ रहे हैं, वे भी खूबसूरत हैं। अविका ने कहा- हम जो नहीं कर सकते उसपर दुखी होने की जगह उसपर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें वह जरूर करना चाहिए जो हमारे कंट्रोल में है। अविका ने आखिर में कहा है, मैं अपनी स्किन को लेकर आज कम्फर्टेबल हूं। आज मैं सुकून में हूं। आपको बता दें कि 12 साल की उम्र में अविका ने बालिका वधू सीरियल से अपने करियर की शुरूआत की थी। इस शो के बाद से लोग अविका को उनके रियल नाम से नहीं बल्कि रील नाम आनंदी के नाम से जानने लगे थे। अविका ने बालिका वधू शो में तीन साल तक काम किया था।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

दिल्ली में कोरोना ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, एक दिन में सर्वाधिक 5,739 नए मामले, 27 की मौत

त्योहारी सीजन और बदलते मौसम के बीच दिल्ली में कोरोना के मामलों में भारी उछाल आया है. दिल्ली में कोरोना के पुराने सभी रिकॉर्ड को तोड़ते हुए एक दिन में सबसे अधिक मामले सामने आए हैं

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन और बदलते मौसम के बीच दिल्ली में कोरोना के मामलों में भारी उछाल आया है. दिल्ली में कोरोना के पुराने सभी रिकॉर्ड को तोड़ते हुए एक दिन में सबसे अधिक मामले सामने आए हैं. पिछले 24 घंटे में दिल्ली में कोरोना के 5,739 मामले सामने आए हैं. एक आंकड़ा दिल्ली में अब तक एक दिन में सामने आए मामलों में सबसे अधिक है. हालांकि इस दौरान 41 सौ से अधिक मरीज ठीक भी हुए. जबकि 27 लोगों की मौत हो गई. इससे पहले बुधवार को भी कोरोना के 5,673 मामले सामने आए थे.

तीसरी लहर की ओर बढ़ रही दिल्ली–दिल्ली में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए कोरोना की थर्ड वेब शुरू होने की आशंका जताई जा रही है. दिल्ली में अब तक कोरोना के 3,75,753 मामले सामने आ चुके हैं. अब तक कोरोना से 3,38,378 लोग जंग जीतकर पूरी तरह ठीक हो चुके हैं. वहीं 6,423 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है. दिल्ली में कोरोना से स्वस्थ होने की दर 90.05 फीसद हो चुकी है.

दिल्ली में 24 घंटे में 60,124 सैंपल की जांच–कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए कोरोना की टेस्टिंग और बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है. पिछले 24 घंटे में 60,124 सैंपल की जांच हुई. इसमें से 9.55 फीसद सैंपल पॉजिटिव पाए गए. राजधानी में अब तक कोरोना की कुल 45,76,724 जांचें हो चुकी हैं. वहीं अगर देशभर के आंकड़ों की बात करें तो कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 80 लाख को पार कर चुका है. भारत में कोरोना से 80,88,046 लोग संक्रमित हो चुके हैं. वहीं इस वायरस की चपेट में आने से अब तक 1,21,131 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं.

कैसे जिएंगे दिल्लीवासी? अब हवा ही नहीं, पानी भी जहरीला

अब तक दिल्ली की हवा लोगों का दम घोंट रही थी और अब पानी भी जहरीला हो गया है. ऐसे में दिल्लीवासियों के आगे जलसंकट पैदा हो गया है.

नई दिल्ली। जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर दिल्लीवासियों के लिए अब नई मुसीबत सामने आ खड़ी हुई है. अब तक दिल्ली की हवा लोगों का दम घोंट रही थी और अब पानी भी जहरीला हो गया है. ऐसे में दिल्लीवासियों के आगे जलसंकट पैदा हो गया है. हरियाणा द्वारा यमुना में छोड़े जाने वाले पानी में अमोनिया का स्तर असामान्य रूप से बढ़ गया है. जिससे दिल्ली के कुछ हिस्सों में जलापूर्ति प्रभावित हो गई है. हरियाणा द्वारा छोड़े जाने वाले यमुना के अशोधित जल में प्रदूषकों (अमोनिया) का स्तर असामान्य रूप से बढ़ जाने के चलते सोनिया विहार और भागीरथी जल शोधन संयंत्र में जल शुद्धिकरण कार्य प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है. इसके परिणामस्वरूप पूर्वी, उत्तर पूर्वी और दक्षिण दिल्ली के कुछ हिस्सों

में आज और कल यानी दो दिन साफ पानी उपलब्ध नहीं होगा. ऐसे में लोगों के सामने बड़ा जलसंकट खड़ा होने वाला है.

उधर, दमघोंटू हवा से दिल्लीवासियों की सांसें अटक रही हैं. गैस चैंबर बनी देश की राजधानी दिल्ली की आवोहवा दिनों दिन जहरीली होती जा रही है. इन सर्दियों के शुरुआत में आज पहली बार दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 450 के करीब जा पहुंचा है. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक आज दिल्ली के बवाना में सबसे ज्यादा 447 दर्ज किया गया है. जबकि आनंद विहार में एक्यूआई 408, पटपड़गंज में 404 और वज़ीरपुर में 411 है. इन सभी जगहों पर वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई है. दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की वजह हरियाणा और पंजाब से आने वाले पराली के धुंए को माना जा रहा है. क्योंकि केंद्र सरकार की वायु गुणवत्ता निगरानी एजेंसी के मुताबिक, दिल्ली के पीएम 2.5 प्रदूषण में पराली जलाये जाने से निकलने वाले प्रदूषकों की हिस्सेदारी बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई है, जो इस मौसम में सर्वाधिक है. हालांकि सतह पर चलने वाली वायु गति और बेहतर मौसमी दशाओं के चलते स्थिति में शनिवार तक सुधार होने की संभावना है.

मुसलमानों को फ्रांस के लाखों लोगों को मारने का हक: नीस हमले के बाद बोले मलेशिया के पूर्व पीएम महातिर मोहम्मद

पेरिस। फ्रांस के नीस शहर में स्थित एक चर्च में गुरुवार को एक आतंकी ने चाकू से हमला कर दिया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इस घटना पर पूरे देश में रोष है और सभी फ्रांस के प्रति संवेदनाएं प्रकट कर रहे हैं। मगर इस बीच मलयेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद ने विवादित बयान दिया है। नीस आतंकी हमले का एक तरह से समर्थन करते हुए महातिर बिन मोहम्मद ने कहा कि मुस्लिमों को लाखों फ्रांसिसी नागरिकों को मारने का हक है। नीस हमले का जिक्र किए बगैर महातिर ने गुरुवार को दूसरों का सम्मान कीजिए नाम से लिखे अपने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा है कि मुस्लिमों को गुस्सा करना का अधिकार है और अतीत में किए गए नरसंहारों के लिए लाखों फ्रांसीसी नागरिकों को मारने का भी पूरा हक है।

1 नवंबर से इस शहर में प्लास्टिक और पॉलिथीन पर लगेगा बैन

अंबाला में सिंगल यूज वाले प्लास्टिक और पॉलीथीन बैग के प्रतिबंध लगाते हुए नगर निगम के सचिव ने कहा कि लोगों में जागरूकता पैदा की जा रही है और घोषणाएं भी की जा रही हैं. साथ ही उन्होंने कहा कि पॉलिथीन और सिंगल उपयोग वाला प्लास्टिक घातक हैं. **अंबाला।** शहर में एक नवंबर से सिंगल इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक और पॉलिथीन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लग जाएगा. प्रशासन ने पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाने वाले पॉलीथिन का प्रयोग रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का फैसला लिया है. नगर निगम अंबाला शहर के सचिव ने कहा कि दुकानदारों से अनुरोध किया जा रहा है कि वे ग्राहकों को सामान देने के लिए पॉलिथीन बैग का उपयोग न करें. साथ ही उन्होंने कहा कि ग्राहकों को ऐसे बैग को लेने से भी मना कर देना चाहिए. यदि वह नहीं मानते हैं, तो उन पर कार्रवाई होगी. अंबाला में सिंगल यूज वाले प्लास्टिक और पॉलीथीन बैग के प्रतिबंध लगाते हुए नगर निगम के सचिव ने कहा कि लोगों में जागरूकता पैदा की जा रही है और घोषणाएं भी की जा रही हैं. साथ ही उन्होंने कहा कि पॉलिथीन और सिंगल उपयोग वाला प्लास्टिक घातक हैं.

आत्मनिर्भर भारत में एक और कामयाबी, सेना ने तैयार किया अपना मोबाइल मैसेजिंग एप

मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग करने वाले अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर कई बार चिंता जताई जा चुकी है. सेना ने इसी साल फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे लोकप्रिय ऐप को डिलीट करने के लिए कहा गया था.

नई दिल्ली। अब भारतीय सेना के अधिकारियों को एक दूसरे के बातचीत के लिए किसी अन्य देश की मोबाइल एप्लीकेशन पर निर्भर नहीं होना होगा. सेना ने आपसी संवाद के लिए बेहद सुरक्षित मोबाइल एप्लीकेशन तैयार कर ली है. खास बात है कि इस मोबाइल एप्लीकेशन पर की जाने वाली बातचीत और वीडियो कॉलिंग पूरी तरह सुरक्षित होगी. मोबाइल एप्लीकेशन को लेकर सेना का कहना है कि आत्मानिर्भर भारत के तहत, सिक्योर एप्लीकेशन फॉर इंटरनेट नाम से एक सरल और सुरक्षित मैसेजिंग एप्लीकेशन विकसित किया गया है. यह एप्लीकेशन व्हाट्सएप, टेलीग्राम, और जैसे व्यावसायिक रूप से उपलब्ध मैसेजिंग एप्लिकेशन की तरह ही है और एन्क्रिप्शन मैसेजिंग प्रोटोकॉल के अंत में उपयोग करता है.

बातचीत रहेगी पूरी तरह सुरक्षित–यह इंटरनेट पर एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म के लिए अंत तक सुरक्षित आवाज, टेक्स्ट और वीडियो कॉलिंग सेवाओं का समर्थन करता है. मॉडल के सिक्योरिटी फीचर्स में इन-हाउस सर्वर्स और कोडिंग के साथ सुरक्षा सुविधाएं है, जिन्हें आवश्यकताओं के अनुसार ट्विक किया जा सकता है. गौरतलब है कि इससे पहले सेना के अधिकारियों की बातचीत को लेकर पहले भी कई बार चिंता जाहिर की जा चुकी है. इस साल शुरूआत में ही सेना ने अपने कर्मियों के लिए 89 ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया था, जिसमें फेसबुक, ट्रूकॉलर इंस्टाग्राम जैसे लोकप्रिय ऐप और अपने मोबाइल फोन से [illegible] जैसे गेम को डिलीट करने के लिए कहा गया था.

इस्लामिक आतंक की चपेट में फ्रांस, चर्च का हमलावर कुरान लिए था

नीस। अगर दो महीने में फ्रांस के अलग-अलग शहरों में हुए हमलों को आधार बनाएं तो कह सकते हैं कि इस्लामिक कट्टरता के खिलाफ खड़ा यह देश इस्लामिक आतंकवाद की चपेट में है. शिक्षिका का सिर कलम किए जाने के लगभग पखवाड़े भर बाद फ्रांस के नीस शहर में गुरुवार को एक चर्च में हमलावर ने चाकू से हमला कर तीन लोगों को मौत के घाट उतार दिया. हमलावर की पहचान ट्यूनीशिया के नागरिक के रूप में हुई है, जो हाथ में कुरान लेकर घुसा था. लोगों को मारते वक्त उसने इस्लामिक नारे भी लगाए. गौरतलब है कि पिछले दो महीनों में फ्रांस में इस तरह का यह तीसरा हमला है. इटली के रास्ते पेरिस पहुंचा **ट्यूनीशियाई हमलावर**–नीस के स्थानीय अखबार ने सूत्रों के हवाले से जानकारी दी है कि नोट्रे-डेम बेसिलिका के अंदर गुरुवार को लोगों पर हमला करने वाला

ट्यूनीशिया का नागरिक है, जो 21 साल का है और उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है. हमले की जांच कर रही फ्रांस के आतंकवाद-निरोधी अभियोजक ने कहा कि हमलावर 1999 में पैदा हुआ था. वह इटली के रास्ते आया है. वह लैम्पेदुसा के इतालवी द्वीप से चलकर 20 सितंबर को इटली पहुंचा और फिर 9 अक्टबर को पेरिस पहुंचा. नोट्रेड्रम चर्च (गिरिजाघर) में हमले को अंजाम देने वाला हमलावर पुलिस द्वारा पकड़े जाने के दौरान घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

अल्लाह-ओ-अकबर के नारे भी लगाए–नीस के मेयर क्रिस्चियन एस्त्रोसी ने कहा, हमलावर घायल होने के बाद भी बार-बार अल्लाह अकबर चिल्ला रहा था. एस्त्रोसी ने ही बीएफएम टेलीविजन को बताया कि हमले में दो लोगों की मौत हुई है, दो की गिरिजाघर में जबकि बुरी तरह से घायल तीसरे व्यक्ति ने वहां से भागने के दौरान दम तोड़ा. उल्लेखनीय है कि यह घटना ऐसे समय हुई है जब फ्रांस में आतंकवादी हमले को लेकर पहले ही अलर्ट जारी किया हुआ है. गौरतलब है कि यह घटना 47 वर्षीय एक शिक्षक सैमुअल पैटी की खौफनाक हत्या के दो सप्ताह घटी है.

फ्रांस में हुए आतंकवादी हमले पर बोले डोनाल्ड ट्रंप, कट्टरपंथी इस्लामिक हमलों को रोकना जरूरी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस में हुए आतंकवादी हमले पर कड़ी टिप्पणी देते हुए कहा कि कट्टरपंथी इस्लामिक आतंकवादी हमलों को हर हाल में रोकना बेहद जरुरी है। ट्रंप ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा, हमारी संवेदनाएं फ्रांस के लोगों के साथ हैं। आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में अमेरिका अपने सबसे पुराने साथी के साथ खड़ा हैं। कट्टरपंथी इस्लामिक आतंकवादी हमलों को हर हालत में रोकना होगा। फ्रांस या कोई भी देश ऐसे हमलों को लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं कर सकता हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फ्रांस में आतंकवादी हमले की कड़ी की हैं। फ्रांस के नीस में आज एक गिरिजाघर में हमलावर द्वारा चाकू से किए गए हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। पिछले दो महीनो के दौरान फ्रांस में इस तरह का यह तीसरा हमला है। नोट्रेड्रम गिरिजाघर पर हमला करने वाला पुलिस के पकड़े जाने के दौरान घायल हो गया और उसे अस्पताल में भती कराया गया है।

कोरोना वैक्सीन अपडेट: जून 2021 तक ब्राजील को टीका मिलने की उम्मीद, रूस ने रोका वैक्सीन ट्रायल

नई दिल्ली। पूरी दुनिया पर कोरोना वायरस का कहर अब भी बना हुआ है। जब तक कोरोना की वैक्सीन नहीं आ जाती है तब तक कोरोना से मुक्ती पाना असंभव-सा नजर आता है। इसलिए पूरी दुनिया में कोरोना वैक्सीन के लिए खोज शुरू हो चुकी हैं। पूरी दुनिया में कोरोना वायरस के मामलों का आंकड़ा 4.5 करोड़ के पार पहुंच चुका है और कोरोना से होने वाली मौतें 1.1 करोड़ के आंकड़ों को पार कर चुकी हैं। अमेरिका को सबसे ज्यादा कोरोना की मार पड़ी जहां एक करोड़ लोग कोरोना से संक्रमित हुए और दूसरे नंबर पर भारत जहां कोरोना का आंकड़ा 80 लाख तक पहुंच गया है। कोरोना वैक्सीन की बात करें तो हाल ही में आए अपडेट के अनुसार ब्राजील का कहना है कि वो जून 2021 तक वैक्सीन के आने की उम्मीद कर रहा है और रूस ने अस्थायी रूप से नए वॉलिंटियर्स को अपने ट्रायलों में रोक दिया है।

ये हैं पूरी दुनिया से कोरोना वैक्सीन को लेकर आने वाले लेटेस्ट अपडेट–1. ब्राजील के स्वास्थ्य नियामक अन्वेषा के प्रमुख एंटोनियो बर्रा टॉरेस ने कहा जून 2021 तक ब्राजील में वैक्सीन के अप्रूव हो जाने की और इस्तेमाल के लिए तैयार होने की पूरी उम्मीद है। टॉरस ने कहा, जबकि अन्वेषा ने टीके को मंजूरी देने के लिए आवश्यक न्यूनतम प्रभावकारिता पर फैसला नहीं किया है, अतीत में, नियामक ने 50 प्रतिशत से कम प्रभावशीलता वाले टीकों को मंजूरी दी है। ब्राजील में विश्व स्तर पर तीसरे सबसे अधिक मामले हैं।

2. कोरोना की पहली वैक्सीन बनाने का दावा करने वाले रूस ने फिलहाल टीके की बढ़ती मांग और खुराक की कमी के कारण अस्थाई रूप से नए वॉलिंटियर्स को ट्रायल के लिए रोक दिया है। रूस की राजधानी मोस्को के कुछ क्लीनिकों का कहना है कि उनके पास दो-डोज वाले जैब की पहली खुराक खत्म हो गई थी। (खुराक का दूसरा घटक पहले के 21 दिनों के बाद इंजेक्ट किया जाता है)।

3. अमेरिकी बायोटेक्नोलॉजी फर्म मॉडर्न इंक ने गुरुवार को कहा कि वह अगले महीने अपने कोविड -19 वैक्सीन के देर से चरण परीक्षण से शुरुआती आंकड़ों की रिपोर्ट करने के लिए ट्रैक पर है।

पाक मंत्री पुलवामा पर बयान से पलटे, एफएटीएफ के डर से भारतीय मीडिया पर दोष मढ़ा

इस्लामाबाद/नई दिल्ली। पुलवामा आतंकी हमले को घर में घुस कर मारा और इसमें पाकिस्तान का हाथ स्वीकार करने वाले इमरान खान सरकार में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री फवाद हुसैन पाकिस्तान के हुक्मरानों की फितरत के अनुरूप 24 घंटों में ही अपने बयान से पलट गए. एक भारतीय चैनल से बातचीत में उन्होंने इसे बकवास करार देते हुए कहा कि यह भारतीय मीडिया है, जो उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत कर रहा है. यही नहीं, उन्होंने कहा कि भारत में राजनीतिक नफा-नुकसान के लिए बयानों को अपने हिसाब से कांट-छांट कर दिखाया जाता है. यही नहीं, पीएमएल-एन सांसद अयाज सादिक के अभिनंदन पर दिए बयान से किनारा करते हुए फवाद हुसैन ने कहा कि वह सिर्फ राजनीति करते हुए झूठ बोल रहे थे. ठीक वैसे ही जैसे भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोलते हैं. माना जा रहा है कि एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट की डर से फवाद हुसैन नेशनल असेंबली में दिए अपने बयान से पलटे.

भारत से अच्छे संबंध चाहता है पाकिस्तान, वह तो बीजेपी–पाकिस्तानी संसद में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के सांसद अयाज सादिक के बयान को विशुद्ध राजनीति करार देते हुए फवाद हुसैन ने इस पर भी सफाई दी. उन्होंने कहा कि जिस तरह

नेता एक-दूसरे पर कीचड़ उछालते हैं. भारतीय वायुसेना के पायलट अभिनंदन पर अयाज सादिक का बयान इमरान सरकार पर उछाली गई कीचड़ की तरह था. वह राजनीतिक फायदे के लिए झूठ बोल रहे थे. ठीक वैसे ही जैसे भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोलते हैं. यही नहीं, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ अच्छे संबंध चाहता है. भारत के लिए पाकिस्तान सरकार में कोई बदनीयत नहीं है. यह तो बीजेपी है जो पाकिस्तान के खिलाफ नफरत दिखा कर वोट बटोर रही है.

भारतीय मीडिया ने दिखाया गलत

इंडिया टुडे चैनल से बातचीत में फवाद हुसैन ने कहा कि पुलवामा पर वह 26 फरवरी 2019 के बाद के घटनाक्रम पर बात कर रहे थे. उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि यह निरी बकवास है कि पुलावामा आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ था. इसके लिए भारतीय मीडियो को दोषी ठहराते हुए फवाद हुसैन ने कहा कि उनका पूरा बयान देखा जाए. उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया की तरह घर में घुस कर मारने में पाकिस्तान यकीन नहीं करता है. भारत में राजनीतिक हानि-लाभ के लिए लिहाज से बयानों को तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया जाता है.

नेशनल असेंबली में फवाद ने माना था पुलवामा हमले में हाथ

गौरतलब है कि फवाद हुसैन ने बृहस्पतिवार को सनसनीखेज खुलासा करते हुए स्वीकार किया कि 2019 में जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के लिये उनका देश जिम्मेदार है. नेशनल असेंबली में बहस के दौरान कहा, हमने हिंदुस्तान को घुस कर मारा. पुलवामा में हमारी कामयाबी, इमरान खान के नेतृत्व में इस देश की कामयाबी है. आप और हम सभी इस कामयाबी का हिस्सा हैं. मंत्री ने कहा कि पुलवामा की घटना के बाद जिस तरह से पाकिस्तान ने भारत के क्षेत्र में घुसकर उसे निशाना बनाया, उससे भारत का सारा मीडिया शर्मसार हो गया.

अयाज सादिक ने दिया था कांपने वाला बयान

प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी चौधरी का यह बयान विपक्षी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता अयाज सादिक के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को रिहा करने की गुहार लगाई थी, जिन्हें 27 फरवरी, 2019 को पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों के साथ हवाई टकराव में उनका मिग-21 बाइसन लड़ाकू विमान गिर जाने के बाद पाकिस्तानी सेना ने हिरासत में ले लिया था. सादिक ने जिस उच्चस्तरीय बैठक का जिक्र करते हुए यह दावा किया था उसमें सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा भी शामिल थे. सादिक ने बैठक को याद करते हुए कहा, विदेश मंत्री (कुरैशी) ने हमसे कहा कि खुदा के वास्ते, उसे (अभिनंदन) को वापस जाने दीजिए, वरना भारत रात नौ बजे पाकिस्तान पर हमला कर देगा.

न्यूज़ ब्रीफ

जर्मनी में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए फुटबॉलर।

श्रीकांत ने मांजरेकर पर निशाना साधा

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कृष्णमनचारी श्रीकांत ने कॉमेंटेटर संजय मांजरेकर पर निशाना साधा है। मांजरेकर ने लोकेश राहुल को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किए जाने पर सवाल उठाया था। राहुल ने आईपीएल के इस 13 वें सत्र में अबतक सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। मांजरेकर ने कहा था कि इससे एक गलत परंपरा शुरू हो रही है जब किसी खिलाड़ी को आईपीएल में प्रदर्शन के आधार पर टेस्ट टीम में

चुना जा रहा है। उन्होंने कहा था कि रणजी ट्रॉफी खेलने वाले खिलाड़ियों को यह बहुत निराश करने वाला कदम है। श्रीकांत मांजरेकर की इस बात से बेहद नाराज नजर आए। उन्होंने कहा, 'यह मांजरेकर का काम है कि वह सवाल पूछें, तो उन्हें छोड़ ही दें।' श्रीकांत ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में राहुल को शामिल किए जाने पर सवाल? उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। मैं सिर्फ इसी वजह से किसी बात से सहमत नहीं हो सकता कि मांजरेकर ने इस पर सवाल पूछा है। मुझे नहीं लगता कि मैं इससे सहमत हो सकता हूं। आपको सिर्फ विवाद पैदा करने के लिए कोई सवाल नहीं उठाना चाहिए। राहुल ने हर प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया है। एक बार उनका टेस्ट रेकॉर्ड देखिए।' राहुल ने भारत के लिए 36 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 5 शतक और 11 हाफ सेंचुरी की मदद से 2006 रन बनाए हैं।

2021 में भी धोनी ही सीएसके के कप्तान रहे तो हैरानी नहीं होगी : गंभीर

नई दिल्ली। पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि महेंद्र सिंह धोनी साल 2021 में भी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रह सकते हैं। गंभीर ने कहा कि धोनी और सीएके टीम के बीच आपसी विश्वास का इतना अच्छा रिश्ता है कि वह एक साल के खराब प्रदर्शन से प्रभावित नहीं हो

सकता। तीन बार की चैम्पियन सीएसके इतिहास में पहली बार प्लेआफ में जगह बनाने में विफल रही है। वह 12 में से आठ मैच हारकर आखिरी स्थान पर है। गंभीर ने कहा, मैं हमेशा कहता आया हूं कि सीएसके को बनाने में मालिकों और कप्तान के बीच संबंधों का बड़ा हाथ है। उन्होंने धोनी को पूरी आजादी दी और उसे मालिकों से पूरा सम्मान मिला है। उन्होंने कहा, यदि वे उसे बरकरार रखते हैं तो मुझे हैरानी नहीं होगी। वह तब तक खेल सकते है, जब तक वह चाहे। हो सकता है कि अगले साल बदली हुई चेन्नई टीम के साथ भी वह कप्तान के रूप में ही नजर आये। गंभीर ने कहा, मालिकों से इस तरह के सम्मान के वह अधिकारी भी हैं। उन्होंने कहा, उसने जो टीम के लिये किया और टीम मालिकों ने उसे जो सम्मान दिया, वह शानदार रिश्ता है।

फिटनेस हासिल करने जमकर पसीना बहा रहे रोहित

- आईपीएल के आखिरी लीग मैच में वापसी करेंगे
- हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण पिछले तीन मैच नहीं खेले

अबुधाबी ■ एजेंसी

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण पिछले तीन आईपीएल मैचों में नहीं खेल पाये हैं। पफिट नहीं होने के कारण ही उनका नाम ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए भी शामिल नहीं किया गया है।

वहीं माना जा रहा है कि रोहित आईपीएल के आखिरी लीग मैच में वापसी करेंगे। रोहित फिटनेस हासिल करने और मैदान पर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ 18 अक्टूबर को हुए मैच में रोहित को हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। इसके बाद चेन्नै सुपर किंग्स के खिलाफ टीम को 10

विकेट से जीत मिली और फिर राजस्थान रॉयल्स ने उसे शारजाह में 8 विकेट से हराया। बुधवार को टीम ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ जीत हासिल की। मुंबई इंडियंस की टीम ने बैंगलोर को हराकर प्लेऑफ की अपनी जगह लगभग तय कर ली है। टीम के अबतक 16 अंक हैं।

27 नवंबर से शुरू होगो ऑस्ट्रेलिया दौरा

वहीं दूसरी ओर 27 नवंबर से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए रोहित के नहीं होने से चयन समिति निशाने पर है। ऐसे में माना जा रहा है कि अगर रोहित फिट होते हैं तो उनकी टीम में वापसी तय है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय क्रिकेट टीम के फिजियो नितिन पटेल ने सुनील जोशी के नेतृत्व वाली चयन समिति से कहा है कि रोहित को फिट होने के लिए दो से तीन सप्ताह का समय लगेगा।

बुमराह पर ही निर्भर नहीं रह सकते

दुबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान कैरोन पोलार्ड ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) पर मिली जीत के बाद कहा कि हम तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर ही आधारित नहीं रह सकते। हम चाहते हैं कि अन्य लोग भी कदम बढ़ाएं क्योंकि यह एक टीम गेम है। हमने कुछ विकेट खोये पर युवा बल्लेबाज सूयार्कुमार यादव ने शानदार खेल दिखाया। पोलार्ड ने कहा कि सूर्यकुमार की सबसे अच्छी बात यह है कि वह हमारे लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। एक व्यक्ति के रूप में यदि आप लगातार ऐसा करते रहेंगे तो निश्चित तौर पर पुरस्कार तो आएंगे। मैंने हमेशा वही किया है जो टीम मुझसे कराना चाहती है।

सूर्यकुमार का चयन नहीं हुआ तो वेंगसरकर भड़के

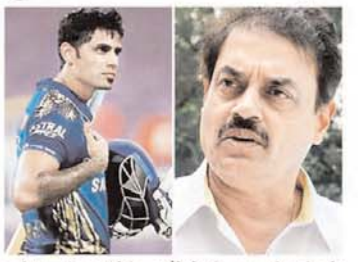

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम में युवा बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का चयन न होने पर पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने कड़ी नाराजगी जतायी है। पूर्व में चयन समिति के अध्यक्ष भी रहे वेंगसरकर ने पूछा है कि टीम में सूर्यकुमार को क्यों नहीं चुना गया। वेंगसरकर ने अपने बयान में कहा कि मैं सूर्य कुमार के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं चुने जाने से हैरान हूं, वह देश के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक है। जहां तक उनके बल्लेबाजी की क्षमता की बात है तो मैं उनकी तुलना भारतीय टीम के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से करता हूं। उन्होंने लगातार रन बनाएं हैं और मुझे नहीं पता भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए उन्हें अब क्या साबित करना पड़ेगा। वेंगसरकर ने अपने बयान में कहा कि वह भारतीय टीम में मध्यक्रम में सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए बिल्कुल सही रहते है। वह टीम में रोहित शर्मा की जगह खेल सकते थे। वह इस समय अपने बल्लेबाजी के शीर्ष पर है उन्होंने घरेलू क्रिकेट के साथ ही हर मंच पर लगातार रन बनाये हैं। उन्हें अवसर जरूर मिलना चाहिए था। इसके साथ ही उन्होंने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर फिटनेस और फॉर्म मानदंड नहीं है तो क्या मुझे कोई बता सकता है कि इस बल्लेबाज को क्यों शामिल नहीं किया गया।

पूछा टीम में होने के लिए क्या साबित करना पड़ेगा

| आईपीएलः आज शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा मैच |

'करो या मरो' की जंग में पंजाब और राजस्थान रॉयल्स आमने-सामने होंगे

अबुधाबी ■ एजेंसी

आईपीएल में शुक्रवार को किंग्स इलेवन पंजाब और राजस्थान रॉयल्स के बीच अहम मुकाबला होगा। रखने का मुकाबला होगा। प्लेआफ में बने रहने के लिए दोनो ही टीमें इस मैच में पूरी ताकत लगा देंगी। पंजाब की टीम पिछले कुछ मैचों से लगातार जीत रही है। ऐसे में वह बढ़े हुए मनोबल के साथ जीत की लय बनाये रखने के लिए उतरेगी। पंजाब ने लगातार पांच जीत दर्ज करके शीर्ष चार में जगह बनायी है।

अभी वह 12 मैचों में 12 अंक लेकर चौथे स्थान पर है जबकि रॉयल्स 12 मैचों में दस अंक लेकर सातवें स्थान पर है। प्लेआफ की दौड़ से अभी वह बाहर नहीं है पर रॉयल्स अगर शुक्रवार को हारती है तो वह दौड़ से बाहर हो जाएगी। वहीं पंजाब की टीम के हारने पर भी उसके लिए रास्ता बंद नहीं होगा। पंजाब को टूनार्मेंट में अब तक सर्वाधिक रन बनाने वाले अपने कप्तान लोकेश राहुल से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं स्टार बल्लेबाज क्रिस गेल के आने से टीम का आत्मविश्वास कई गुना बढा है। वहीं घुटने की चोट के कारण दो मैचों से बाहर रहे मयंक अग्रवाल टीम इस मैच में खेलते हैं या नहीं यह देखना होगा। बल्लेबाज मनदीप सिंह ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पारी की शुरूआत करके नाबाद 66 रन बनाये थे जिससे टीम को एक अतिरिक्त विकल्प मिल गया है।

वहीं पिछले कुछ मैचों में मोहम्मद शमी के साथ ही अन्य गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं दूसरी ओर रॉयल्स ने पिछले मैच में मुंबई को हराया था, ऐसे में उसकी दावेदारी बनी हुई है। ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के फार्म में आने से भी उसकी ताकत बढ़ी है। स्टोक्स ने मुंबई के खिलाफ नाबाद 107 रन बनाये थे।

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने भी खोई लय हासिल कर ली है हालांकि कप्तान स्टीव स्मिथ का खराब फार्म रॉयल्स के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर सहित राजस्थान का गेंदबाजी औसत सामान्य रहा है। आर्चर ने 12 मैचों में 6.71 की इकानामी रेट से 17 विकेट लिये लेकिन उन्हें बाकी गेंदबाजों से सहयोग नहीं मिला है।

दोनों टीमों के खिलाड़ी इस प्रकार हैं

किंग्स इलेवन पंजाब
केएल राहुल (कप्तान), हरप्रीत बराड़, इशान पोरेल, मनदीप सिंह, जेम्स नीशाम, तजिंदर सिंह, क्रिस जॉर्डन, करुण नायर, दीपक हुड्डा, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, मुजीब उर रहमान, सरफराज खान, शेल्डन कॉटरेल, मयंक अग्रवाल, मोहम्मद शमी, निकोलस पूरण, क्रिस गेल, मुरुगन अश्विन।

राजस्थान रॉयल्स
जोस बटलर, बेन स्टोक्स, संजू सैमसन, एंड्रयू टाई, कार्तिक त्यागी, स्टीवन स्मिथ (कप्तान), अंकित राजपूत, श्रेयस गोपाल, राहुल तेवतिया, जयदेव उनादकट, महिपाल लोमरोर, रियान पराग, यशस्वी जायसवाल, आकाश सिंह, डेविड मिलर, वरुण आरोन, टॉम कुरेन, रॉबिन उथप्पा और जोफ्रा आर्चर।

पर्पल कैप के लिए रबाडा की बुमराह, शमी से टक्कर

आईपीएल में अपनी शानदार गेंदबाजी के जरिये शीर्ष पर बने हुए दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को दो भारतीय तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी से कड़ी टक्कर मिल रही है। पर्पल कैप पर अभी रबाडा का कब्जा है। रबाडा ने अब तक 12 मैचों में 23 विकेट लिए है। रबाडा हर 12वी गेंद पर विकेट ले रहे हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में दूसरे नंबर पर अब मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज बुमराह पहुंच गए हैं। बुमराह ने अब तक 20 विकेट लिए हैं। वो हर 14वीं गेंद पर विकेट ले रहे हैं। इतना ही नहीं बुमराह 7.18 की इकॉनमी रेट से गेंदबाजी कर रहे हैं। वही तीसरे नंबर पर हैं किंग्स इलेवन पंजाब के मोहम्मद शमी हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ डबल सुपर ओवर वाले में मैच में अपनी सटीक यॉर्कर से हंगामा मचाने मचाने वाले शमी ने अब तक 20 विकेट लिए है। वो हर 14वी गेंद पर वो विकेट ले रहे हैं। पर्पल कैप की लिस्ट में सनराइजर्स हैदराबाद के राशिद खान भी बने हुए हैं।

बिकवाली हावी रहने से शेयर बाजार में आई गिरावट

मुंबई ■ एजेंसी

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया है। दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी लिमि टेड, एचडीएफसी बैंक, एल एंड टी और एचयूएल में गिरावट दर्ज की गयी। कारोबारियों के अनुसार वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख से भी निवेशकों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 172.61 अंक करीब 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ 39,749.85 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 58.80 अंक तकरीबन 0.50 फीसदी नीचे आकर 11,670.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा नुकसान में एल एंड टी रही। इसमें करीब 5 फीसदी की गिरावट रही। जिन अन्य प्रमुख शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें टाइटन, ओएनजीसी, एक्सिस बैंक, एचयूएल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी शामिल हैं। वहीं फायदे लाभ में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, अल्ट्रा टेक सीमेंट, एचसीएल टेक, कोटक बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। कारोबारियों के अनुसार अक्टूबर महीने के वायदा एवं विकल्प खंड में अनुबंधों की समाप्ति के साथ बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। दोपहर के समय कारोबार में बाजार में गिरावट का रुख बना रहा।

कोरोना संक्रमण ने भारत में सोना खरीदी को पहुंचाया नुकसान, तीसरी तिमाही में मांग 30 फीसदी तक गिरी

मुंबई ■ एजेंसी

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस ने हर क्षेत्र को खासा नुकसान पहुंचाया है। ऊंची कीमतों के कारण सितंबर तिमाही में भारत में सोने की मांग साल भर पहले की तुलना में 30 प्रतिशत कम होकर 86.6 टन पर आ गई। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने एक रिपोर्ट में यह कहा है। विश्व स्वर्ण परिषद की तीसरी तिमाही सोना मांग ट्रेंड रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल की सितंबर तिमाही में सोने की कुल मांग 123.9 टन रही थी। मूल्य के आधार पर, इस दौरान सोने की मांग पिछले साल के 41,300 करोड़ रुपये की तुलना में चार प्रतिशत कम होकर 39,510 करोड़ रुपये पर आ गई। विश्व स्वर्ण परिषद के प्रबंध निदेशक (भारत) सोमसुंदरम पीआर ने कहा कि कोविड-19 से जुड़े व्यवधानों, कमजोर उपभोक्ता धारणा, ऊंची कीमतें और उथल-पुथल के कारण 2020 की तीसरी तिमाही में सोने की मांग 30 प्रतिशत घटकर 86.6 टन रह गयी। हालांकि यह दूसरी तिमाही से अधिक है। दूसरी तिमाही में सोने की मांग साल भर पहले की तुलना में 70 प्रतिशत कम होकर 64 टन पर आ गई थी। तिमाही आधार पर मांग में सुधार का कारण लॉकडाउन की पाबंदियों में ढील मिलना तथा अगस्त में कुछ समय के लिये कीमतों का कम होना है।

टाटा ग्रुप के साथ अलग होने शापुरजी पालन जी ने सबमिट किया नया प्लान

टाटा-मिस्त्री विवाद का अंतिम प्लान

- शापुरजी पालन जी ने बयान जारी कर कहा कि उसने सुप्रीम कोर्ट में अलग होने का प्लान सबमिट किया है
- शापुरजी पालन जी ने कहा है कि उसकी टाटा ग्रुप में 18.37 पर्सेंट हिस्सेदारी का वैल्यूएशन 1.75 लाख करोड़ रुपए है

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

शापुरजी पालन जी ग्रुप ने गुरुवार को कहा कि उसने एक प्लान सुप्रीम कोर्ट में सबमिट किया है। इसके मुताबिक, वह 70 सालों की इस पुरानी दोस्ती को खत्म करना चाहता है। शापुरजी पालन जी ने टाटा ग्रुप में अपनी होल्डिंग की कुल वैल्यू 1.75 लाख करोड़ रुपए आंकी है। यह जानकारी सुप्रीम कोर्ट में दी गई है। बता दें कि शापुरजी पालन जी के सायरस मिस्त्री को 28 अक्टूबर 2016 को टाटा समूह के चेयरमैन पद से हटा दिया गया था। उसी के बाद से दोनों ग्रुप में लड़ाई चल रही है। मामला कोर्ट में है। लंबी सुनवाई के बाद आखिरकार सायरस मिस्त्री ने टाटा समूह के साथ बिजनेस के रिश्तों को खत्म करने के लिए एक प्लान सबमिट किया है। शापुरजी पालन जी ने एक बयान जारी कर रहा कि टाटा ग्रुप दो ग्रुप कंपनी है जिसमें एक टाटा ट्रस्ट है। इसमें टाटा परिवार के सदस्य और टाटा कंपनियों की होल्डिंग 81.6 पर्सेंट है। बाकी की 18.37 पर्सेंट होल्डिंग मिस्त्री परिवार के पास है। इससे पहले टाटा ग्रुप ने इसी तरह के अलग होने का एक प्लान सुप्रीम कोर्ट में सौंपा था।

वैल्यूएशन के लिए इस उदाहरण को समझें

शापुरजी पालनजी ने एक बयान में कहा कि वैल्यूएशन के लिए जो उदाहरण है, वह इस तरह होना चाहिए। जैसे टाटा की टीसीएस में 72 पर्सेंट हिस्सेदारी है। शापुरजी की टाटा संस में 18.37 पर्सेंट हिस्सेदारी है। टीसीएस की शेयरहोल्डिंग के आधार पर इसे 13.22 पर्सेंट माना जाए और इसकी वैल्यूएशन आज के बाजार भाव के हिसाब से 1.35 लाख करोड़ रुपए मानी जाए।

टाटा संस मुख्य निवेश कंपनी है

टाटा संस ग्रुप की मुख्य निवेश कंपनी है और यह टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी है। इसका वैल्यू कुल लिस्टेड कंपनियों के आधार पर आंका गया है। दूसरी ओर नॉन लिस्टेड इक्विटीज कंपनियां हैं, जिसमें ब्रांड, कैश बैलेंस और इमूवेबल असेट्स हैं। शापुरजी पालनजी ग्रुप की टाटा में होल्डिंग का वैल्यूएशन 1.75 लाख करोड़ रुपए है।

वैल्यूएशन का विवाद निपटाना चाहिए

अलग होने की अपनी स्कीम में शापुरजी पालनजी ग्रुप ने कहा कि वैल्यूएशन के ऊपर जो भी विवाद हैं, उन्हें तुरंत निपटाना चाहिए। इसे ब्रांड के वैल्यूएशन के आधार पर फैसला करना चाहिए। अनलिस्टेड कंपनियों के लिए एक तीसरी पार्टी द्वारा वैल्यूएशन किया जा सकता है।

प्याज की कीमतों पर अंकुश के लिए बीज निर्यात पर रोक

व्यापारियों को ग्रेडिंग, पैकिंग के लिए तीन दिन मिलेंगे

नई दिल्ली। सरकार ने प्याज बीजों के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से लगा दी है। घरेलू बाजार में प्याज की कीमतों में उछाल के मद्देनजर सरकार ने यह कदम उठाया है। अभी इसके निर्यात पर नियंत्रण लगे हुए थे और बिना लासेंसे लिए इसका निर्यात नहीं किया जा सकता था। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि प्याज बीज के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जा रही है। भारी बारिश की वजह से प्याज की खरीफ की खड़ी फसल को काफी नुकसान हुआ है। इससे पिछले कुछ सप्ताह के दौरान प्याज का भाव 70 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त के दौरान 5.7 लाख डॉलर के प्याज बीज का निर्यात हुआ है। वहीं 2019-20 के पूरे वित्त वर्ष में प्याज बीज का निर्यात 35 लाख डॉलर रहा था। डीजीएफटी कीमतों पर अंकुश के लिए प्याज के निर्यात पर पहले ही रोक लगा चुका है। उपभोक्ता मामलों की सचिव लीना नंदन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्र ने खुदरा और थोक व्यापारियों पर 31 दिसंबर तक प्याज के भंडारण की सीमा भी लगाई है। खुदरा व्यापारी सिर्फ दो टन प्याज का भंडारण कर सकते हैं। वहीं थोक व्यापारियों को 25 टन प्याज का भंडारण करने की अनुमति होगी।

प्याज व्यापारियों को ग्रेडिंग, पैकिंग के लिए तीन दिन मिलेंगे–केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्याज व्यापारियों को छंटाई और पैकिंग के लिए तीन दिन का समय दिया जायेगा उसके बाद ही भंडारण की सीमा लागू होगी। सरकार ने कहा कि मंडियों से प्याज की खरीद के दिन से व्यापारियों को उसकी ग्रेडिंग और पैकिंग के लिए तीन दिन का समय मिलेगा। भंडारण की सीमा इसके बाद लागू होगी। प्याज की कीमतों में उछाल के बाद सरकार ने 23 अक्टूबर से खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए प्याज भंडारण की सीमा लागू कर दी है। यह सीमा दिसंबर अंत तक लागू रहेगी। खुदरा व्यापारियों के लिए भंडारण की सीमा दो टन है जबकि थोक व्यापारी 25 टन तक प्याज रख सकते हैं। व्यापारियों को भंडारण सीमा की वजह से बाजार में प्याज निकालने में दिक्कतें आ रही हैं। इसके चलते उन्हें तीन दिन का समय देने का फैसला किया गया है। कीमतों पर अंकुश तथा घरेलू आपूर्ति बढ़ाने तथा संभावित जमाखोरी रोकने के मकसद से प्याज भंडारण की सीमा लगाई गई है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट किया, थोक और खुदरा व्यापारियों की जरूरत को देखते हुए मंडियों में प्याज की खरीद की तारीख से ग्रेडिंग और पैकिंग के लिए तीन दिन का समय देने का फैसला किया गया है। इसके बाद भंडारण की सीमा लागू होगी।

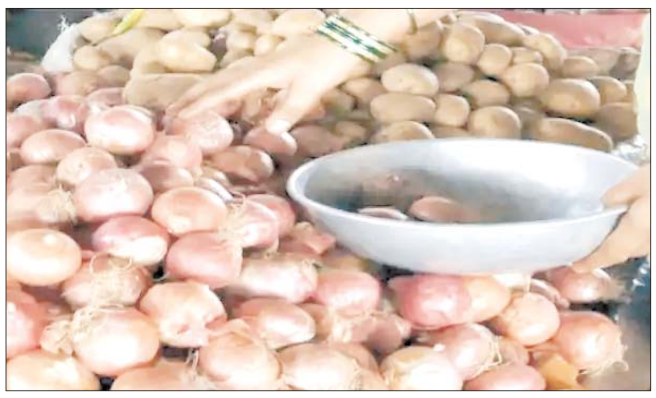

प्याज भंडारण की सीमा बढ़ाने के लिए केंद्र से बात करेंगे ठाकरे–महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि वह प्याज के भंडारण की सीमा बढ़ाने का मुद्दा केंद्र के साथ उठाएंगे। प्याज उत्पादक किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बृहस्पतवार को ठाकरे से मुलाकात की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर कहा कि बैठक के दौरान ठाकरे ने कहा कि वह भंडारण की सीमा बढ़ाने के लिए केंद्र से बात करेंगे। उन्होंने व्यापारियों से महाराष्ट्र में प्याज की नीलामी फिर शुरू करने को कहा है। प्याज की कीमतों पर अंकुश के लिए केंद्र ने खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए 31 दिसंबर तक भंडारण की सीमा लगाई है। खुदरा व्यापारी दो टन प्याज का भंडारण कर सकते हैं, जबकि थोक व्यापारी 25 टन तक प्याज का भंडारण कर सकते हैं। केंद्र के कदम के विरोध में नासिक की सभी 15 कृषि उपज विपणन समितियों (एपीएमसी) में व्यापारी प्याज की नीलामी में भाग नहीं ले रहे हैं। इनमें एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासलगांव भी शामिल है। ठाकरे ने कहा, %%मैं प्याज उत्पादक किसानों की समस्याओं से अवगत हूं। मैं केंद्र के साथ इस मुद्दे को उठाऊंगा। राज्य सरकार मजबूती से किसानों के साथ खड़ी है और खड़ी रहेगी।

दिवाली गिफ्ट पर चलेगी कोरोना की कैंची, सस्ते उपहार खोज रही कंपनियां

नई दिल्ली। नौकरी और कारोबार से होते हुए इस बार कोरोना की मार दिवाली उपहारों पर भी पड़ने वाली है। कोरोना की वजह से आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही कंपनियां इस बार त्योहारों पर होने वाले खर्च में 20 से लेकर 50 फीसदी तक की कटौती करने जा रही हैं। कंपनियां दिवाली पर एक हजार से 50 हजार रुपये तक के उपहार बांटती रही हैं। लेकिन इस बार उनके लिए एक हजार रुपया भी अधिक महंगा लग रहा है। उद्योग विशेषज्ञों का कहन है कि कंपनियां 500 रुपये से भी कम वाले उपहारों के ज्यादा ऑर्डर दे रही हैं। ऐसे में इस बार कॉर्पोरेट की दिवाली फीकी रहने की उम्मीद है।

महंगे उपहार की रही है परंपरा–दिवाली के अवसर पर कंपनियां महंगे उपहार बांटती रही हैं। कॉर्पोरेट ने पिछले साल तक किचन के समान जिसमें कीमती बर्तन और अन्य घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद हैं दिवाली पर बांटे हैं। लेकिन इसबार हालात बदले नजर आ रहे हैं। उद्योग के विशेषज्ञों के मुताबिक दिवाली के मौके पर एक हजार रुपये से 50 हजार रुपये तक उपहार बांटे जाते रहे हैं।

एक नजर...

शरद पूर्णिमा पर कोरोना वोरियर्स व मातृशक्ति का किया सम्मान

ग्वालियर। भारत विकास परिषद शाखा समर्पण द्वारा शरद पूर्णिमा के उपलक्ष में आज कोरोना वॉरियर्स का व मातृशक्ति का सम्मान किया गया। रास्ट्र गान प्रभारी गिरीश अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में बताया कि आज सम्मानित होने वाले कोरोना वॉरियर्स प्रेम बरोनिया, सौमित्र कुमार,डॉ दीप्ति गौड़,नीतू गुप्ता सिंह, व बबिता सेंगर समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट सेवायें देकर कोरोना वोरियर्स के रूप में बहुत ही अच्छा कार्य कर रही हैं। आज शरद पूर्णिमा के शुभ दिन मातृशक्ति का कोरोना वोरियर्स के रूप में सम्मान करने सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर संस्थापक व प्रान्तीय संघठन मंत्री संजय धवन, अध्यक्ष गुलाब प्रजापति, उपाध्यक्ष गिरीश अग्रवाल, सचिव प्रदीप लक्षणे, सहसचिव महेश धीमान, सतीश राजोरिया, बसन्त खोदेला, महेश अग्रवाल, नमन गान्धी व मातृशक्ति के रूप में श्रीमती मधु धवन, मधु धीमान, विम्मी सचदेवा,मानसी सचदेवा व कनिष्का धीमान विशेष रूप से उपस्थित थी।प्रतिदिन होने वाले 2 मिनिट रास्ट्र के नाम कार्यक्रम की सम्मानित होने वाले सभी के द्वारा शाखा समर्पण की भूरी भूरी प्रंशसा की गई व शाखा समर्पण के प्रति अपना आभार भी व्यक्त किया। कार्यक्रम में सभी का सम्मान फूलमालाओं के द्वारा व स्मृतिचिन्ह देकर किया गया,साथ ही सभी सम्मानित होने वालों को नीम का एक एक पौधा भी भेंट कर पर्यावरण सुधार के क्षेत्र में एक कदम और आगे बढ़ाया है। आज के कार्यक्रम के संयोजक सचिव प्रदीप लक्षणे जी थे। कार्यक्रम का सफल संचालन उपाध्यक्ष व राष्ट्रगान प्रभारी गिरीश अग्रवाल जी के द्वारा व आभार प्रदशर्न अध्यक्ष गुलाब प्रजापति जी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संजय धवन जी ने संस्था द्वारा किये जा रहे सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रदीप लक्षणे जी के द्वारा दी गयी है।

कोविड संक्रमण को ध्यान में रखकर बंदियों से मुलाकात के समय में किया बदलाव

ग्वालियर। कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखकर जेल विभाग द्वारा बंदियों से मुलाकात के संबंध में नई व्यवस्था लागू की गई है। जिसके तहत अब विचाराधीन बंदियों को सप्ताह में एक बार एवं दण्डित बंदियों को 15 दिवस में एक बार मुलाकात की अनुमति दी जायेगी। मुलाकात का समय प्रातः 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। मुलाकात की समय-सीमा भी 20 मिनट से घटाकर 15 मिनट कर दी गई है। अभी तक विचाराधीन बंदियों को सप्ताह में दो बार एवं दण्डित बंदियों को सप्ताह में एक बार मुलाकात की अनुमति मिलती थी। केन्द्रीय जेल अधीक्षक से प्राप्त जानकारी के अनुसार विशेष परिस्थितियों में मुलाकात के लिये अधिक व्यक्तियों के आवेदन प्राप्त होने पर जेल अधीक्षक आवेदनों का समुचित परीक्षण करने के बाद आवश्यक समझने पर मुलाकात की अनुमति दे सकेंगे। किंतु एक बार में दो से अधिक व्यक्तियों को मुलाकात की अनुमति नहीं दी जायेगी। सभी बंदियों को इनकमिंग दूरभाष सुविधा का लाभ समय-समय पर दिशा-निर्देशानुसार यथावत जारी रहेगा। मुलाकात कक्ष में आने वाले हर बंदी एवं परिजन को मास्क लगाना अनिवार्य होगा। साथ ही कोविड-19 से बचाव के लिये निर्धारित गाइडलाइन एवं जेल मुख्यालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन भी मुलाकात के समय करना होगा।

भारतीय मजदूर संघ ने आज कलेक्टर को प्रधानमंत्री के नाम सौपा ज्ञापन

ग्वालियर। भारतीय मज़दूर संघ जिला ग्वालियर ने राष्ट्रीय एवं प्रांतीय आह्वान पर ओधोगिक सम्बन्ध 2020 पर नए कोड पर आपत्ति जताते हुए पिछले मसौदे में पीएससीएल द्वारा सिफारिशों को नहीं मानें जाने पर भारत के प्रधानमंत्री के नाम दिनांक आज कलेक्टर ग्वालियर के द्वारा प्रदर्शन करज्ञापन दिया। एक प्रेस विज्ञप्ति में जिला महामंत्री सुरेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि औधोगिक सम्बन्ध 2020 पर नए कोड पर भारतीय

मजदूर संघ और अन्य ट्रेड यूनियनों नें आपत्ति जताई है क्योंकि औद्योगिक सम्बन्ध कोड के पिछले मसौदे में विस्तृत आपत्तियां दी गयी थी भारतीय मजदूर संघ और अन्य ट्रेड यूनियनों के साथ साथ श्रमिकों के पक्ष में संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों पर किसी भी आपत्ति को संशोधित मसौदे में नहीं माना गया है यह कोड नियोक्ताओं ओर स्ड्डठ्ठस्त्रद्ध4ड्डस्त्रद्गह्यद्ध नॉकरशाहों के पक्ष में बहुत अधिक झुका हुआ है ये ट्रेड यूनियनों की भूमिका को कम करने का स्पष्ट प्रयास है यहां तक की कुछ प्रावधानों की संबैधानिकता पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का भी उल्लंघन हो रहा है बीएमएस इन्ही नए परिवर्तनों को लेकर विरोध करता है जिसमें मुख्य निम्न हैं औधोगिक रोजगार स्थायी आदेश कानून में 300 से अधिक कर्मचारियों के लिये छूट दी गयी है जबकि वर्तमान में यह कानून में 100 और कई राज्यों में 50 है , वास्तव में 2 एनसीएल नें 50 से 20 श्रमिकों से स्थायी आदेशो को तैयार करने के लिए सीमा को नीचे लाने का प्रस्ताव तैयार किया है , स्ह्लस्क्ष ने क्क्स्न्ष्टरु को बताया - मॉडल स्टेंडिंग ऑर्डर , सर्टिफिकेट ऑफ स्टेंडिंग ऑर्डर को नहीं बदला क्योंकि यह अच्छे तरीके से कार्य कर रहें हैं क्क्स्न्ष्टरु नें ट्रेड यूनियन के पंजीकरण के लिए 45 दिनों की समय सीमा की सिफारिश की यह लम्बे समय से उनकी मांग थी . अभी भी इसे शामिल नहीं किया गया है जबकि नियोजित करने के लिए नियोक्ताओं की अनुमति के लिए छटनी और समापन निर्धारित 60 दिनो की समय सीमा कर दी है एक मात्र बातचीत संघ के नए प्रावधान में पात्रता 75 से कम करके 51त्न कर दी है , सबसे विवादास्पद अध्याय इ्क्क्ष्टद्धड्ड्श्च-ह्लद्दह्र ङ्ग ले ऑडिट छटनी और बन्द करने पूर्व अनुमति पर 300 श्रमिकों तक कि छूट दी गयी है इससे व्यापार बन्द या कम आसान होगा आईआर कोड संसद के नॉकरशाहों की जगह लेने की कोशिश से भरा है , क्क्स्न्ष्टरु नें नॉकरशाहों को पुरुस्कार देने के प्रावधान का विरोध किया है इन सभी परिवर्तनों के विरोध में भारतीय मज़दूर संघ जिला ग्वालियर राष्ट एवं प्रान्त व्यापी आह्वान पर कोविड-19 के शाशन प्रशासन के नियमों व मास्क सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए आज सभी सम्बद्ध यूनियनो के पदाधिकारियों के साथ शाम 4 बजे कलेक्ट्रेट गेट पर एकत्रित होकर वहां से चलकर प्रधानमंत्री के नाम प्रदर्शन कर कलेक्टर महोदय को ज्ञापन दिया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भू दयाल पाठक , जिला महामंत्री सुरेंद्र सिंह भदौरिया,उपाध्यक्ष डॉ नवीन दुबे, सहमंत्री महावीर सिंह किरार, भा प्रा म महा संघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कुशवाह, म प्र राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन भटनागर, अध्यक्ष सुनील दुबे, कोषाध्यक्ष इंद्रपाल निवारिया, सुनील आर्य,जितेंद्र चौहान,एम आर संघ के विजयंत नायक,यातायात टेम्पो चालक समिति से विजय सिंह राठौर सतीश गुप्ता,जितेंद्र सिंह लोडिंग से शाबिर खान,हाथ ठेला फुटकर व्यापारी संघ से हंसराज सिसोदिया, सुनील श्रीवास, मनीष शिवहरे, प्रदीप दीखित, केशव शर्मा,मानसिक आरोग्य शाला से अध्यक्ष शिवकुमार दीक्षित, सचिव गोविंद यादव,ई रिक्शा से अरुण शर्मा,मलखान सिंह सहित लगभग एक सैकड़ा पदाधिकारी/कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिकाऊलाल क्षेत्र में विकास कराने का झूठा वादा कर रहे है :डॉ.सिकरवार

ग्वालियर। जनता से झूठें वादे करके जनमत हासिल किया और अपने किये गये वादों को भूलकर बिकाऊलाल और उनके परिवार ने 15 माह में जमकर भ्रश्टाचार किया और जब इस सबसे भी मन नही भरा तो जनप्रतिनिधि से दलाल बन गये और आपके जनमत और विष्वास को बेच दिया। लेकिन कहते है कि लालच की कोई सीमा नही होती यही बात आज साबित हो रही है क्योकि बिकाऊलाल क्षेत्र में विकास कराने का झूठा वादा करके फिर से जनमत मांगने आ रहे ताकि जनमत मिलने के बाद फिर से जनमत को बेच सकें और अपनी जेब और घर को भर सकें। लेकिन जनता अब इन्हे जनमत देने वाली नहीं है। अब समय आ गया है कि बिकाऊलाल जी परिवार समेत अपने घर में आराम करें। यह बात आज ग्वालियर पूर्व से कॉग्रेस प्रत्याशी डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने क्षेत्र में हुई विभिन्न बैठकों में जनता से कही। बैठकों एवं जनसम्पर्क के दौरान डॉ. सिकरवार का पुश्पहार पहनाकर स्वागत किया और महिलाओं ने

तिलक कर एवं श्रीफल भेंट कर आर्षीवाद दिया। वार्ड 59 एवं वार्ड 60 में हुआ जनसम्पर्कः- आज सुबह 8 बजे कार्यकर्ता डॉ. सतीष सिंह सिकरवार के नेतृत्व में ललितपुर कॉलोनी कार्यालय पर एकत्रित हुये और वहां से मंषा देवी मंदिर, विक्की फैक्ट्री चौराहा, कोटे की सराय, लालियापुरा, वाले का पुरा, बड़ी मडैया, छोटी मडैया, केदारपुर, नीमचंदोवा, मढ़ा, मधुवन नगर, महादजी नगर, कोठी गांव के अलावा षाम 5 बजे सिंधिया नगर, सरकारी मल्टी, आर.एस. पुरम में घर-घर जाकर जनसम्पर्क किया।

कल दिनांक 31 अक्टूबर कार्यक्रमः- दोपहर 12 बजे नदी गेट षिन्दे की छावनी से पैदल रैली षुरू होगी और वहां से जयेन्द्रगंज, इंदरगंज चौराहा, दाल बाजार, नया बाजार, लोहिया बाजार, पुराना हाईकोर्ट मार्ग से होते हुये वापस इंदरगंज चौराहा, जयेन्द्रगंज से होते हुये नदी गेट पर समापन।

दंडात्मक नहीं सुधारात्मक है किशोर न्याय अधिनियम

ग्वालियर। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेशानुसार किशोर न्याय अधिनियम (नवीनतम प्रावधान) सीडब्ल्यूसी बाल न्यायालय एव एसजेपीयू. की भूमिका विषय पर तीन दिवसीय राज्य स्तरीय ऑनलाइन वेबिनार प्रशिक्षण का आयोजन पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय उमरिया द्वारा किया गया है। वेबीनार में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों के 82 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी प्रशिक्षण प्राप्त कर लाभान्वित हुए। राज्यस्तरीय वेबीनार का शुभारंभ विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण अरुणा मोहन राव(भा.पु.से) द्वारा किया गया था एवं समापन उप पुलिस अधीक्षक लेख राम सिंह पीटीएस उमरिया के उदबोधन के पश्चात किया गया। इस मौके पर माधव विधि महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ नीति पांडे ने किशोर न्याय (बालकों के देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 के विभिन्न प्रावधानों से अवगत कराया गया। वेबिनार के दौरान जानकारी दी गई कि 18 वर्ष से कम आयु के प्रत्येक व्यक्ति को बालक माना जाना है। साथ ही इनका संरक्षण बाल कल्याण समिति एवं किशोर न्याय परिषद के माध्यम से सुनिश्चित किया जाना है। यह भी जानकारी दी गई कि यदि कोई विधिक विवादित बालक बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी द्वारा निरूद्ध किया जाता है तो उसे किशोर न्याय परिषद में प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।

मतदान केंद्र पर बिछा रेड कारपेट 3 को मतदाताओं का होगा स्वागत

ग्वालियर। जिला प्रशासन ने 3 नवंबर को होने वाले ग्वालियर पूर्व एवं ग्वालियर विधानसभा उपचुनाव में मतदाताओं का स्वागत करने के लिए 4 आदर्श पोलिंग बूथ तैयार किए हैं। इनमें मतदाताओं की सुविधा का भरपूर ध्यान रखा गया है। मतदाताओं के लिए गुब्बारों से स्वागत द्वारा सजाया गया है, जबकि उनके आगमन के लिए रेड कारपेट बिछाया गया है। नगर निगम में उपचुनाव के नोडल अधिकारी आर के श्रीवास्तव ने बताया कि सेंट्रल स्कूल आकाशवाणी केन्द्र के पास, दून पब्लिक स्कूल सिटी सेंटर, मिसहिल विद्यालय पड़ाव, लक्ष्मीबाई कालोनी का सामुदायिक भवन को आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया है। इनमें स्वागत द्वार गुब्बारों से बनाए गए हैं, जबकि मतदाताओं का स्वागत के लिए रेड कारपेट बिछाया गया है। इसी प्रकार मतदाताओं को अपनी बारी का इंतजार करने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़े इसके लिए व्हीआईपी कुर्सियां रखी गई हैं। साथ ही टेंट धूप से बचने के लिए एवं पानी आदि का इंतजाम है।

ग्वालियर में भाजपा का मेगा रोड शो शुरू शिव, विष्णु, नरेंद्र, ज्योति ने झौंकी पूरी ताकत

ग्वालियर। चंबल अंचल की सभी सीटों पर भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। ग्वालियर में देर शाम मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मेगा रोड शो शुरू हुआ। भाजपा ने मेगा रोड शो में एक ही मंच मंच पर अपने सभी नेताओं को उतार दिया। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती इस रोड शो में नहीं थी। भाजपा ने शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह, प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती व राज्य सभा सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भिण्ड मुरैना में सभा की।

बी.ई./बी.टेक. और इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम में काउंसलिंग 9 नवम्बर तक होगी

ग्वालियर। तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा बी.ई./बी.टेक. तथा इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में एआईसीटीई नई दिल्ली द्वारा प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाए जाने की वजह से काउंसलिंग कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। मध्यप्रदेश के जिन जिलों में विधानसभा उप चुनाव हो रहे हैं उन जिलो में स्थित शासकीय एवं अनुदान प्राप्त संस्थाओं में पूर्व में निर्धारित तिथियों 2, 3 एवं 4 नवम्बर 2020 को अब द्वितीय चरण की काउंसलिंग के बाद उपस्थिति एवं प्रवेश संबंधी कार्य स्थगित रहेंगे। बी.ई., बी.टेक. एवं इंजीनियरिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम में आवेदन पत्रों को ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश अब 2 से 9 नवम्बर के मध्य निर्धारित किया गया है। पूर्व में 6 नवम्बर तक प्रवेश प्रक्रिया होनी थी। प्रवेशित संस्था के लिए च्वाइस फिलिंग 9 एवं 10 नवम्बर तथा ब्रांच परिवर्तन की सूची एवं पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता 13 नवम्बर को निर्धारित की गई है। संस्था स्तर पर काउंसलिंग 10 से 16 नवम्बर तथा 19 एवं 20 नवम्बर को इच्छुक संस्था में प्रवेश प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को उपस्थित होना होगा। काउंसलिंग के बाद रिक्त रह गई सीटों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 21 से 24 नवम्बर 2020 तथा प्रवेश प्रक्रिया के लिये 27 एवं 28 नवम्बर 2020 तिथि निर्धारित की गई है। लेट्रल एण्ट्री बी.ई./डिप्लोमा नॉन पीपीटी डिप्लोमा अम्बेडकर-एकलव्य योजनान्तर्गत ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 10 से 16 नवम्बर तक प्रवेश 19 एवं 20 नवम्बर निर्धारित की गई है। रिक्त सीटों के लिए 21 से 24 नवम्बर तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होंगे तथा 27 एवं 28 नवम्बर को इच्छुक संस्था में प्रवेश लिया जा सकेगा।

अपने कंप्यूटर से हर 60 मिनट में 50,000 रुपये कमाएं

शुक्रवार को आई 1286 लोगों की जांच रिपोर्ट में 38 संक्रमित आए जिसमें सबसे अधिक युवा संक्रमित कोरोना की दूसरी लहर को लेकर दिल्ली एम्स के निर्देशक ने चेतावनी जारी की है। लोग अब सावधानी बरतें जिससे कोरोना से बच सकें और आवश्यक होने पर ही घर से निकलें। कोरोना की चपेट में सर्वाधिक युवा वर्ग आ रहा है। क्योंकि काम काज के सिलसिले में बाहर निकलना पड़ता है और वह कोरोना की जद में आसानी से आ रहे हैं। शुक्रवार को आई 1286 लोगों की जांच रिपोर्ट में 38 संक्रमित आए जिसमें सबसे अधिक युवा संक्रमित पाए गए। जिसमें डाक्टर, सिचाई विभाग का अमीन,बीएसएफ जवान,नर्सिंग स्टाफ , किराना कारोबारी, निजी कंपनी के कर्मचारी सहित संक्रमित के संपर्क में आने वाले भी संक्रमित पाए गए।

डाक्टर व नर्सिंग स्टाफ निकला संक्रमित-निजी कोविड अस्पताल में काम करने सिटी सेंटर के 30 वर्षीय डाक्टर व उनकी 28 वर्षीय पत्नी संक्रमित पाए गए। इनके साथ में अस्पताल का नर्सिंग स्टाफ व रसोईया भी संक्रमित निकला है। उधर जयारोग्य अस्पताल के सर्जरी विभाग की 32 वर्षीय महिला डाक्टर व ऑर्थो विभाग का 26 वर्षीय डाक्टर संक्रमित पाया गया। इसके अलावा अस्पताल का 51 वर्षीय कर्मचारी की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।

सिचाई विभाग का अमीन निकला संक्रमित-

वहरा पंडित मुरार का 51 वर्षीय व्यक्ति संक्रमित पाया गया। वह सिचाई विभाग में अमीन है और कुछ दिनों से बुखार की परेशानी थी। जिसके चलते जांच करवाई तो संक्रमित पाया गया।घोसीपुरा की दंपति संक्रमित पाई गई। उन्हें भी हल्का बुखार आने की शिकायत थी।

आइटीएम की महिला रासेयो इकाई को मिली मान्यता

ग्वालियर। हर राष्ट्र की शक्ति युवा होते हैं। युवाओं की भूमिका काफी हद तक हर देश की तरक्की में सहायक होती है। ऐसे में आइटीएम महाविद्यालय की नई महिला इकाई को मान्यता प्राप्त हुई है। इससे निश्चिततौर पर विद्यार्थियों की समाजसेवा में रुचि प्रदर्शित होती है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से हम हर वर्ग के लोगों के साथ करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि राष्ट्रीय सेवा योजना केवल और केवल सेवा भाव का अनूठा स्तंभ है। यह कहना था जीवाजी विवि के रासेयो समंवयक प्रो. रविकांत अदालतवाले का। वे शुक्रवार को आइटीएम ग्वालियर की रासेयो इकाई द्वारा आयोजित व्याख्यान में शामिल सदस्यों को संबोधित करते हैं। हालही में आइटीएम ग्वालियर की महिला रासेयो इकाई को मान्यता मिली है, इस संबंध में यह कार्यक्रम रखा गया। इसी क्रम में रासेयो के जिला संगठक प्रो. मनोज अवस्थी ने नवीन शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि जो भी नियम, दिशा-निर्देश वर्ष 2020 की शिक्षा नीति में हैं, उनके हिसाब से राष्ट्रीय सेवा योजना 1969 से लगातार काम करती आ रही है।

TOMAR ASSOCIATES

शीघ्र करें, ऑफर सीमित समय के लिये

नवरात्री के अवसर पर विशेष छूट पर प्लॉट उपलब्ध

ग्वालियर शहर में आसान मासिक किस्तों पर प्लॉट उपलब्ध। भिण्ड-ग्वालियर मैन रोड से मात्र 500 मीटर की दूरी पर सर्व सुविधा युक्त पक्की कॉलोनी गौरी नगर में प्लॉट उपलब्ध है।

500, 600, 800, 1000, 1200 वर्ग फुट

नोट : तुरन्त रजिस्ट्री कराने पर रजिस्ट्रीखर्चे में 25 प्रतिशत का खर्चा TOMAR ASSOCIATES द्वारा दिया जायेगा।

नवरात्री पर विशेष छूट बेटी वाले परिवार को 100 रू वर्गफीट की विशेष छूट रहेगी।

कॉल करें या मिलें 9 से 6 बजे तक

पता : 03 तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा. म.प्र.

मो.: 9713253992, 9165260261, 9111503705.

मुद्रक : भारत प्रिंटर्स,गिरिराज प्लाजा, पिन्टो पार्क, ग्वा. 9644042434

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पुष्पांजली टुडे

क्लासिफाइड में अगले दिन प्रकाशित होने वाले विज्ञापन की बुकिंग सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक

डिस्प्ले क्लासिफाइड 25/ रु Sq.Cm. (Min. size 5×9)

कोर्ट नोटिस / आम सूचना साइज 12×5 - 2000 रु

नि:शुल्क बच्चों के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह श्रद्धांजलि शोक संदेश उठावनी

संपर्क सूत्र : 8269307478,7999246560

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे

PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल

अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे।

तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार

आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं

हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।

Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207

gmail - pushpanjalitoday@gmail.com

नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478